Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 10
अंक : 243
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
मंगलवार, 09 सितम्बर, 2025

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

3 'सरकार फैसला वापस लें, नहीं तो करेंगे ...

4 बारिश, भूस्खलन और बर्बादी, पहाड़ों में ...

7 कार्लोस अल्काराज ने यानिक सिनर को ....

संक्षिप्त न्यूज

नीतीश-मोदी सरकार पर तेजस्वी का वार: 20 साल में बिहार क्यों बना बेरोजगारी-पलायन का गढ़?

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही, राज्य के पूर्व उपमंत्री और पूर्व राजद विधायक तेजस्वी यादव ने सोमवार को दावा किया कि एनडीए सरकार ने बिहार को बेरोजगारी, पलायन और गरीबी का केंद्र बना दिया है।" पर एक पोस्ट में, तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में 20 साल और केंद्र में 11 साल से नीतीश-मोदी सरकार के सत्ता में रहने के बावजूद, एनडीए सरकार ने बिहार को बेरोजगारी, पलायन और गरीबी का मुख्य केंद्र बना दिया है। यह मेरा दावा नहीं है, बल्कि भारत सरकार की नीति आयोग की रिपोर्टें साल-दर-साल यही कहती आ रही हैं। उन्होंने आगे कहा कि पिछले 20 वर्षों में बिहार की प्रति व्यक्ति आय दुनिया के सबसे गरीब अफ्रीकी देशों, युगांडा और रवांडा से भी कम रही है।

राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव के बेटे ने अपने पोस्ट के माध्यम से नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सवाल पूछते हुए कहा कि बिहार बेरोजगारी का मुख्य केंद्र क्यों है? और पिछले 20 वर्षों में बिहार से कितना पलायन हुआ है, और बिहार में पलायन अभूतपूर्व दर से क्यों बढ़ रहा है? इसके अलावा, तेजस्वी यादव ने पूछा कि सरकार ने 20 सालों में राज्य में क्षेत्र-विशिष्ट क्लस्टर क्यों नहीं बनाए। उन्होंने यह भी पूछा कि राज्य में कितनी मिलें, कुल कितने उद्योग और कारखाने बंद हुए हैं। इसके अलावा, उन्होंने पिछले 20 सालों में परीक्षा और भर्ती प्रक्रियाओं की पारदर्शिता पर भी सरकार से सवाल किया। इससे पहले, तेजस्वी यादव ने रविवार को बिहार की एनडीए सरकार पर निशाना साधते हुए कहा था कि बिहार की जनता पूछेगी कि क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुजरात में कथित तौर पर 'कारखाने लगाकर' बिहार में 'जीत' हासिल कर सकते हैं।

आत्मनिर्भर भारत की ओर एक और कदमः पीएम मोदी का सांसदों को स्वदेशी-जीएसटी पर नया मंत्र

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजग सांसदों से भारत में बने उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए स्वदेशी मेला आयोजित करने और जीएसटी दरों में कटौती पर व्यापारियों से मिलने को कहा है। सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जीएसटी सुधारों पर एक बैठक में एनडीए सांसदों से कहा कि वे अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में 20-30 व्यापारी सम्मेलन आयोजित करें ताकि व्यापारियों और दुकानदारों को जीएसटी के लाभों और सुधारों के बारे में शिक्षित किया जा सके।

मोदी ने कहा कि नवरात्रि से दिवाली तक, भारतीय उत्पादों को बढ़ावा देने और लोगों को 'मेड इन इंडिया' उत्पाद खरीदने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु 'स्वदेशी मेलों' का आयोजन करें। प्रत्येक सांसद को अपने निर्वाचन क्षेत्र के प्रत्येक क्षेत्र में एक प्रदर्शनी आयोजित करनी चाहिए। थीमः 'गर्व से कहो ये स्वदेशी है' - स्थानीय कारीगरों, सूक्ष्म और लघु उद्योगों और स्वदेशी उत्पादों का प्रदर्शन करें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बैठक में एनडीए नेताओं से स्वदेशी और जीएसटी सुधारों पर ज़ोर देने का आग्रह किया। उन्होंने सांसदों से नवरात्रि से दिवाली तक स्वदेशी मेले आयोजित करने और उन्हें प्रोत्साहित

करने का आग्रह किया।

इससे पहले नरेन्द्र मोदी ने शिक्षकों एवं छात्रों से स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए अभियान चलाने और 'मेक इन इंडिया' एवं 'वोकल फॉर लोकल' पहल को तेज करने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार विजेताओं के साथ संवाद में कहा कि स्कूलों को स्वदेशी दिवस या स्वदेशी सप्ताह जैसे कार्यक्रम आयोजित करने चाहिए। उन्होंने कहा, "मैं आपको स्वदेशी उत्पादों के प्रोत्साहन के लिए अभियान चलाने का एक गृहकार्य दे सकता हूं। छात्रों को घर से स्वदेशी उत्पाद लेकर आने के लिए प्रोत्साहित किया जाए और फिर उन पर चर्चा हो। छात्र स्वदेशी उत्पादों के समर्थन वाले पोस्टर लेकर गांवों में मार्च भी निकाल सकते हैं।" उन्होंने कहा कि इस तरह की गतिविधियों से एक माहौल बनेगा और लोग मेड इन इंडिया और वोकल फॉर लोकल उत्पादों के इस्तेमाल के लिए प्रोत्साहित होंगे। उन्होंने प्रत्येक घर और दुकान के बाहर स्वदेशी उत्पादों की मौजूदगी वाले पोस्टर लगाने के सुझाव भी दिए।

मोदी ने कहा, 'हर घर और दुकान के बाहर 'हर घर स्वदेशी' के बोर्ड लगाए जाने चाहिए। भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सुधारों की शृंखला थमने वाली नहीं है।' उन्होंने जीएसटी ढांचे में किए गए व्यापक सुधारों की सराहना करते हुए कहा कि जीएसटी 2.0 राष्ट्र के लिए समर्थन और वृद्धि की 'दोहरी खुराक' है और 21वीं सदी में भारत की प्रगति को ध्यान में रखकर अगली पीढ़ी के ये सुधार किए गए हैं। उनकी यह टिप्पणी माल एवं सेवा कर (जीएसटी) व्यवस्था में व्यापक पुनर्गठन किए जाने के एक दिन बाद आई है। जीएसटी परिषद ने बुधवार को अप्रत्यक्ष कर के सिर्फ दो स्लैब ही रखने और रोजमर्रा के उत्पादों को पांच प्रतिशत कर दायरे में रखने का फैसला किया।

किसानों के दर्द का मजाक उड़ाने पर बीजेपी हमलावर

राहुल बोले- ग्रेट निकोबार द्वीप परियोजना एक दुस्साहस

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी का एक लेख साझा किया। इस लेख के जरिए उन्होंने ग्रेट निकोबार आइलैंड प्रोजेक्ट को लेकर गंभीर चिंताएं जताईं और इसे स्थानीय आदिवासियों व पर्यावरण के लिए खतरा बताया। राहुल गांधी ने लिखा, 'ग्रेट निकोबार आइलैंड प्रोजेक्ट एक गलत कदम है, जो आदिवासी अधिकारों को कुचलता है और कानूनी प्रक्रियाओं की अनदेखी करता है।'

सोनिया गांधी ने मामले पर लिखा लेख

सोनिया गांधी ने एक समाचार पत्र में लिखे अपने संपादकीय में कहा कि यह प्रोजेक्ट दुनिया के सबसे संवेदनशील और अनोखे पारिस्थितिकी तंत्र को खतरे में डाल देगा और यहां की आदिवासी जनजातियों के अस्तित्व के लिए गंभीर चुनौती बनेगा। उन्होंने 72,000 करोड़ रुपये की इस परियोजना को पूरी तरह गलत खर्च बताते हुए कहा कि 2004 की सुनामी के समय जिन निकोबारी आदिवासियों को अस्थायी रूप से गांव छोड़ने पड़े थे, अब यह प्रोजेक्ट उन्हें हमेशा के लिए विस्थापित कर देगा।

सोनिया गांधी ने विशेष रूप से शोमपेन जनजाति का जिक्र करते हुए कहा कि यह प्रोजेक्ट उनके लिए और भी खतरनाक है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने बड़े पैमाने पर विकास के लिए बनाए गए कानूनों और जनजातीय अधिकारों की रक्षा करने वाली संवैधानिक संस्थाओं की अनदेखी की है।

भाजपा का कांग्रेस पर किसानों का अपमान करने का आरोप

दूसरी ओर, भाजपा नेता अमित मालवीय ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पर किसानों का अपमान करने का आरोप लगाया। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा करते हुए लिखा, 'अगली बार जब राहुल गांधी या कांग्रेस किसानों की बात करें, तो उन्हें यह वीडियो जरूर याद दिलाएं। उनके अपने अध्यक्ष ने किसानों के दर्द का मजाक उड़ाते हुए कहते हैं कि हमेशा रोते और पब्लिसिटी मत लो।' अमित मालवीय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसानों की आय दोगुनी करने और आधुनिक खेती तकनीकों को अपनाने में मदद की, जबकि कांग्रेस ने सिर्फ किसानों को निराश किया।

रविशंकर प्रसाद ने पूछा- यह कैसा अहंकार है?

इस मामले में भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा, 'एक गरीब किसान, जिसकी फसल बाढ़ और बारिश में बर्बाद हो गई थी, अपना दर्द साझा करने गया था। लेकिन कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, 'आप यहां क्यों आए हैं? आप दिखावा क्यों कर रहे हैं?... आपकी चार एकड़ जमीन बर्बाद हो गई है, लेकिन मेरी 40 एकड़ जमीन बर्बाद हो गई है... यह कैसा अहंकार है?

मणिपुर में पीएम मोदी की यात्रा पर शिंदे शिवसेना का पलटवार, कहा- जनता को भड़काने का काम कर रही कांग्रेस

इंफाल। मणिपुर में जातीय संघर्ष और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रस्तावित यात्रा को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। शिवसेना की राज्य इकाई ने कांग्रेस पर आरोप लगाया है कि वह मणिपुर संकट पर राजनीति कर रही है और जनता की भावनाओं को भड़का रही है। पार्टी ने साफ कहा है कि इस समय राज्य को शांति और समाधान की जरूरत है, न कि सियासी बहस की।

शिवसेना राज्य अध्यक्ष डॉ. एम. तोम्बी सिंह ने कहा कि कांग्रेस प्रधानमंत्री की यात्रा पर बेवजह सवाल खड़े कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता जयराम

रमेश का यह बयान कि प्रधानमंत्री की जल्दबाजी में की गई यात्रा राज्य की जनता का अपमान है पूरी तरह गलत और भड़काने वाला है। तोम्बी ने कहा कि प्रधानमंत्री का स्वागत होना चाहिए, न कि उनकी यात्रा पर राजनीति।

प्रधानमंत्री की प्रस्तावित यात्रा

प्रधानमंत्री मोदी 13 सितंबर को मणिपुर का दौरा करने वाले हैं। यह उनकी पहली यात्रा होगी जब से मई 2023 में मैतेई और कुकी समुदायों के बीच हिंसा भड़की थी। शिवसेना ने कहा कि इस यात्रा में सबसे अहम मांग आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों के पुनर्वास की होनी चाहिए। पार्टी ने कहा कि संघर्ष स्थायी नहीं रह सकता और सरकार को ठोस कदम उठाने होंगे।

कुकी-जो संगठनों के साथ समझौते पर सवाल

शिवसेना नेता ने केंद्र और दो कुकी-जो संगठनों कुकी नेशनल ऑर्गनाइजेशन और यूनाइटेड पीपुल्स फ्रंट के बीच हाल ही में बढ़ाए गए सस्पेंशन ऑफ ऑपरेशंस समझौते पर भी सवाल उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि इन संगठनों द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग पर चलने वाले ट्रकों से अवैध वसूली की जा रही है और हथियारबंद गतिविधियां जारी हैं।

कांग्रेस पर तीखी प्रतिक्रिया

तोम्बी सिंह ने कहा कि कांग्रेस को लोगों को भड़काने के बजाय सुझाव देने चाहिए। उनका आरोप था कि कांग्रेस ने कभी भी मणिपुर में शांति बहाल करने या लोगों की तकलीफें कम करने के लिए ठोस कदम नहीं उठाए।

राजनेता हैं तो मोटी चमड़ी होनी चाहिए, रेवंत रेड्डी के खिलाफ बीजेपी की याचिका एससी से खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के खिलाफ भाजपा द्वारा दायर एक याचिका खारिज कर दी, जो 2024 के लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान दिए गए कथित अपमानजनक भाषण से संबंधित थी। मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली और न्यायमूर्ति संजय करोल तथा न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा की पीठ ने न केवल याचिका खारिज की, बल्कि देश भर के राजनीतिक दलों को एक कड़ा संदेश भी दिया, जिसमें न्यायपालिका को राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के लिए युद्ध के मैदान के रूप में इस्तेमाल करने के खिलाफ चेतावनी दी गई।

मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने तीखी टिप्पणी करते हुए कहा हमने बार-बार कहा है। इस अदालत का इस्तेमाल राजनीतिक बदला लेने के लिए न करें। अगर आप राजनेता हैं, तो आपको मोटी चमड़ी रखने की ज़रूरत है। पीठ ने स्पष्ट किया कि कानूनी कार्यवाही की आड़ में अदालत को राजनीतिक बहस में नहीं घसीटा जा सकता। यह मामला तेलंगाना भाजपा के महासचिव के वेंकटेश्वरलू द्वारा दायर शिकायत से उपजा है, जिन्होंने आरोप लगाया था

कि सीएम रेवंत रेड्डी ने एक अभियान भाषण के दौरान अपमानजनक टिप्पणी की थी, जिसमें दावा किया गया था कि यदि भाजपा 2024 के लोकसभा चुनावों में 400 सीटें जीतती है, तो वे एससी, एसटी और ओबीसी के लिए आरक्षण समाप्त कर देंगे।

भाषण के बाद, वेंकटेश्वरलू ने मजिस्ट्रेट अदालत का दरवाजा खटखटाया, जिसने सीएम रेड्डी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज करने का निर्देश दिया। हालाँकि, अगस्त 2025 में तेलंगाना उच्च न्यायालय ने याचिका खारिज कर दी। न्यायालय ने फैसला सुनाया कि कथित टिप्पणियाँ एक राजनीतिक दल के रूप में भाजपा के विरुद्ध थीं। सुनवाई के दौरान, सीएम रेवंत रेड्डी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने दलील दी कि राजनीतिक बहस, चाहे कितनी भी तीखी क्यों न हो, स्वतः ही मानहानि नहीं बन जाती। उन्होंने कहा, 'अगर यह मानहानि है, तो कोई राजनीतिक बहस नहीं हो सकती।

जम्मू कश्मीर में आप के इकलौते विधायक मेहराज मलिक गिरफ्तार

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक मेहराज मलिक के खिलाफ कथित तौर पर सार्वजनिक व्यवस्था को बिगाड़ने के आरोप में सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम लगाया है। एक शीर्ष अधिकारी ने बताया कि आप विधायक को गिरफ्तार कर लिया गया है और उन्हें जेल भेजा जा रहा है। डोडा से विधायक को आज सुबह कथित तौर पर अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने के आरोप में एफआईआर दर्ज होने के बाद हिरासत में लिया गया था। सोशल मीडिया पर प्रसारित कई वीडियो में मलिक को डीसी के साथ कथित तौर पर मौखिक रूप से दुर्व्यवहार करते हुए दिखाया गया है।

2024 के जम्मू-कश्मीर चुनावों में मलिक ने डोडा निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा के अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी को 4,538 से अधिक मतों के अंतर से हराकर केंद्र शासित प्रदेश में अपनी पार्टी की पहली जीत दर्ज की। उन्होंने 24 दिसंबर, 2020 को डोडा के कहारा निर्वाचन क्षेत्र से जिला विकास परिषद का चुनाव जीता था। पिछले साल अक्टूबर में विधानसभा चुनाव जीतने के बाद उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था।

उपराष्ट्रपति उम्मीदवार रेड्डी-लालू मुलाकात पर बवाल, 20 अधिवक्ताओं ने उठाए नैतिकता पर सवाल

पटना। भारत के बीस प्रमुख वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने सोमवार को एक संयुक्त बयान जारी कर, इंडिया ब्लॉक के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार और सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश बी. सुदर्शन रेड्डी द्वारा लालू प्रसाद यादव के साथ एक निजी बैठक करने पर गहरी चिंता व्यक्त की, जो चारा घोटाले में सरकारी धन के गबन से जुड़े मामले में दोषी ठहराए गए हैं। वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने एक संयुक्त बयान में कहा कि यह जानकर निराशा हुई कि इंडिया ब्लॉक के संयुक्त उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी ने हाल ही में लालू प्रसाद यादव के साथ एक निजी बैठक की। यादव चारा घोटाला मामले में कुख्यात रूप से दोषी हैं, जिसमें बिहार राज्य से लगभग 940 करोड़ रुपये के सरकारी धन का गबन शामिल है।

अधिवक्ताओं ने आगे कहा कि चुनावी कारणों का हवाला देकर इस परामर्श को उचित नहीं ठहराया जा सकता, क्योंकि यादव न तो संसद सदस्य हैं और न ही उपराष्ट्रपति के निर्वाचक मंडल में मतदान के पात्र हैं। बयान में कहा गया है, 'इसलिए, ऐसा प्रतीत होता है कि इस बैठक का कोई वैध राजनीतिक उद्देश्य पूरा नहीं होता।'

इस बैठक को संदिग्ध प्रकृति का बताते हुए, बयान में कहा गया है, 'रेड्डी जैसे कद के व्यक्ति, जो भारत के सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश हैं, और जिनकी महत्वाकांक्षा देश के सर्वोच्च संवैधानिक पदों में से एक पर आसीन होने की है, के लिए ऐसी संदिग्ध प्रकृति की नियुक्ति उनके निर्णय और औचित्य पर गंभीर प्रश्न उठाती है।'

उनकी न्यायिक पृष्ठभूमि पर चिंता जताते हुए, अधिवक्ताओं ने कहा, 'यह विशेष रूप से चिंताजनक है कि अपनी विशिष्ट न्यायिक पृष्ठभूमि के बावजूद, श्री रेड्डी स्वतंत्र रूप से एक ऐसे व्यक्ति से जुड़े हैं जिसके आपराधिक कृत्यों की पुष्टि भारतीय अदालतों द्वारा की जा चुकी है।' बयान में आगे लिखा गया है कि कुछ गुटों की चुप्पी भी उतनी ही चिंताजनक है, जो आमतौर पर मामूली आरोपों पर भी भड़क उठते हैं। यह घटना उन लोगों के पक्षपातपूर्ण स्वभाव की पुष्टि करती है जो खुद को संवैधानिक नैतिकता का स्वयंभू संरक्षक बताते हैं। यह उनके स्वार्थ और राजनीतिक सुविधा के लिए गंभीर खामियों को नज़रअंदाज़ करने की उनकी इच्छा को दर्शाता है।

नवीन पटनायक का सियासी दांवः

उपराष्ट्रपति चुनाव में बीजद रहेगी तटस्थ, क्यों लिया यह फैसला?

भुवनेश्वर। ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के नेतृत्व वाली बीजू जनता दल (बीजद) मंगलवार, 9 सितंबर को होने वाले उपराष्ट्रपति चुनाव में मतदान से दूर रहेगी। पार्टी के राज्यसभा सांसद सस्मित पात्रा ने घोषणा की है कि पार्टी कल होने वाले उपराष्ट्रपति चुनाव में मतदान से दूर रहेगी। उन्होंने कहा कि बीजद तटस्थ रहेगी और भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए और भारत, दोनों गठबंधनों से समान दूरी बनाए रखेगी। पात्रा ने आगे कहा कि पार्टी का मुख्य ध्यान ओडिशा और उसके 4.5 करोड़ लोगों के विकास और कल्याण पर है।

सस्मित पात्रा ने कहा कि बीजू जनता दल ने कल होने वाले उपराष्ट्रपति चुनाव से दूर रहने का फैसला किया है। बीजू जनता दल एनडीए और भारत, दोनों गठबंधनों से समान दूरी बनाए रखेगा। हमारा ध्यान ओडिशा और ओडिशा के 4.5 करोड़ लोगों के विकास और कल्याण पर है। 9 सितंबर को होने वाले इस चुनाव में, भारतीय जनता पार्टी द्वारा समर्थित न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) बी. सुदर्शन रेड्डी और एनडीए के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन के बीच सीधा मुकाबला होगा। बीजद के राज्यसभा में सात सदस्य हैं। लोकसभा में पार्टी का कोई सदस्य नहीं है। बीजद ने अतीत में कई बार एनडीए सरकार को संकट से उबारा है और 2022 के राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति चुनावों के दौरान उनके उम्मीदवारों का समर्थन किया है।

विधानसभा चुनाव से पहले नीतीश का बड़ा मास्टरस्ट्रोक, आंगनबाड़ी सेविकाओं का मानदेय बढ़ा!

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को राज्य भर की आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के मासिक वजीफे में बढ़ोतरी की घोषणा की, जिसे चुनाव से पहले एक बड़ा तोहफा माना जा रहा है। नए आदेश के तहत, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं (सेविकाओं) को अब 7,000 से बढ़कर 9,000 रुपये प्रति माह मिलेंगे, जबकि सहायिकाओं का वजीफा 4,000 से बढ़कर 4,500 हो जाएगा। कुमार ने एक्स पर एक पोस्ट में इस फैसले की पुष्टि की और बताया कि संबंधित विभाग को निर्देश पहले ही जारी कर दिए गए हैं।

इस फैसले से न सिर्फ आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ेगा, बल्कि गर्भवती महिलाओं और बच्चों को मिलने वाली पोषण व स्वास्थ्य सेवाएं भी और बेहतर होंगी। इस घोषणा के साथ उन?होंने यह साफ कर दिया है कि 'नीतीश सबके हैं'। उन्होंने समाज के हर वर्ग को आर्थिक लाभ देने की कोशिश की है। पहले आंगनबाड़ी सेविका को 7,000 और सहायिका को 4,000 रुपये मासिक मानदेय मिलता था। सरकार

का मानना है कि सेविकाएं और सहायिकाएं गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों के पोषण और स्वास्थ्य सुधार में अहम भूमिका निभाती हैं। उनके योगदान को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे न सिर्फ आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ेगा, बल्कि समेकित बाल विकास सेवाएं और मजबूत होंगी।

नीतीश ने एक्स पर लिखा कि राज्य में बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं के पोषण एवं जीवन स्तर में सुधार करने में आंगनबाड़ी सेविकाओं एवं सहायिकाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। उनकी इसी भूमिका का सम्मान करते हुये हमलोगों ने उनके मानदेय में वृद्धि करने का निर्णय लिया है। अब आंगनबाड़ी सेविका का मानदेय 7,000 रूपये से बढ़ाकर 9,000 रूपये तथा आंगनबाड़ी सहायिका का मानदेय 4,000 रूपये से बढ़ाकर 4,500 रूपये करने हेतु विभाग को निदेशित किया गया है।

उन्होंने कहा कि नवम्बर 2005 में सरकार बनने के बाद से ही हमलोगों ने गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों के पोषण तथा स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिये बड़े पैमाने पर काम किया है तथा इसके लिये समेकित बाल विकास परियोजना के माध्यम से 06 प्रकार की सेवायें प्रदान की जा रही हैं।

निर्वाचन आयोग 'वोट चोरी के लिए भाजपा का बैक-ऑफिस' बन गया हैः खरगे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) की भूमिका पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि यह (आयोग) "वोट चोरी के लिए भाजपा का बैक-ऑफिस" बन गया है।

खरगे ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "कालक्रम को समझें। मई 2023 के कर्नाटक चुनाव से पहले, कांग्रेस ने अलंद निर्वाचन क्षेत्र में बड़े पैमाने पर मतदाताओं के नाम हटाने का खुलासा किया था। प्रपत्र संख्या-सात में फर्जीवाड़ा कर हजारों मतदाताओं के मताधिकार छीन लिये गये।"

उन्होंने कहा, "फरवरी 2023 में एक मामला दर्ज किया गया। जांच में 5,994 जाली आवेदनों का खुलासा हुआ। यह मतदाता धोखाधड़ी के बड़े पैमाने पर प्रयास का एक स्पष्ट प्रमाण है। इसके बाद कांग्रेस सरकार ने दोषियों को पकड़ने के लिए सीआईडी जांच का आदेश दिया।"

खरगे ने कहा, "लेकिन यहां पेंच यह है कि जहां निर्वाचन आयोग ने पहले जालसाजी का पता लगाने के लिए आवश्यक दस्तावेजों का कुछ हिस्सा साझा किया था तो वहीं अब उसने महत्वपूर्ण जानकारी को छुपा लिया है और (आयोग) वोट चोरी के पीछे के लोगों को प्रभावी ढंग से बचा रहा है!" उन्होंने पूछा, "निर्वाचन आयोग ने अचानक महत्वपूर्ण सबूतों को क्यों रोक दिया है? यह किसे बचा रहा है? भाजपा के वोट चोरी विभाग को? क्या निर्वाचन आयोग भाजपा के दबाव में सीआईडी जांच को पटरी से उतार रहा है।"

संजय राउत ने दिया बड़ा बयान

उपराष्ट्रपति चुनाव में होगा कोई खेला?

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

उपराष्ट्रपति चुनाव से एक दिन पहले, शिवसेना यूबीटी सांसद संजय राउत ने सोमवार को सांसदों से आग्रह किया कि वे सोच-समझकर, अपनी अंतरात्मा और राष्ट्रहित में मतदान करें। एएनआई से बात करते हुए, राउत ने पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की सार्वजनिक रूप से अनुपस्थिति पर भी सवाल उठाए। राउत ने कहा कि देश के सांसद उपराष्ट्रपति पद के लिए मतदान करते हैं, चाहे वह लोकसभा हो या राज्यसभा। कल प्रधानमंत्री मॉक सेशन में मौजूद थे। आज हमारे लोग मॉक सेशन में बैठेंगे। उपराष्ट्रपति पद के लिए यह चुनाव देश के संविधान की रक्षा, लोकतंत्र और राष्ट्रहित के लिए हो रहा है।

संजय राउत ने आगे कहा कि हमारे पूर्व उपराष्ट्रपति कहाँ हैं, मुझे नहीं पता। जब तक धनखड़ सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आते या सामने नहीं आते, हम यह सवाल पूछते रहेंगे। हमारे पूर्व उपराष्ट्रपति कहाँ हैं?' लोकतंत्र की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए राउत ने कहा

कि इस बात को ध्यान में रखते हुए देश के सभी सांसदों को मतदान करना चाहिए। अगर लोकतंत्र की बात करने वाले को इस तरह गायब कर दिया जाए, तो मेरा मानना है कि देश का लोकतंत्र खतरे में है। यह ध्यान में रखते हुए कि आज भाजपा के पास बहुमत नहीं है, सभी सांसदों को यह सोचकर मतदान करना चाहिए कि देश की आत्मा क्या चाहती है और उनकी अपनी अंतरात्मा क्या चाहती है।

हालांकि, शिवसेना सांसद नरेश म्हस्के ने पूर्व उपराष्ट्रपति धनखड़ पर राउत के बयान की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि वह सिर्फ़ खबरों में बने रहने के लिए ऐसे बयान देते हैं। म्हस्के ने कहा, 'संजय राउत सिर्फ़ खबरों में बने रहने के लिए ऐसे बयान देते हैं... शिवसेना (यूबीटी) के पास संख्याबल नहीं है... उन्होंने कभी जनता के हित के लिए काम नहीं किया...' 9 सितंबर को होने वाले उपराष्ट्रपति चुनाव में इंडिया ब्लॉक समर्थित न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) बी सुदर्शन रेड्डी और एनडीए के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन के बीच सीधा मुकाबला होगा।

भारतीय जनता पार्टी ने रविवार को एक 'संसद कार्यालय' का आयोजन किया था और सोमवार को अपने सांसदों को मतदान प्रक्रिया के बारे में मार्गदर्शन देने के लिए एक अभ्यास सत्र के रूप में आज भी इसका आयोजन किया जाएगा। इस बीच, कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे, उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान से एक दिन पहले, सोमवार शाम को संसदीय सौध में इंडिया ब्लॉक के सांसदों के लिए रात्रिभोज का आयोजन करेंगे।

IRCTC वेस्ट ज़ोन ने 7 रेल नीर प्लांट के साथ यात्री सुविधाओं की बढ़ोत्तरी

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भारतीय रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन लिमिटेड (IRCTC), भारत सरकार के रेल मंत्रालय के तहत एक 'नवरत्ना' पीएसयू, हर दिन लाखों रेल यात्रियों को सुरक्षित और हाइजीनिक पैक पेयजल प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। अपने पश्चिम क्षेत्र के तहत, मुंबई में मुख्यालय, IRCTC ने 7 आधुनिक रेल नीर प्लांट को रणनीतिक रूप से पूरे क्षेत्र में यात्री की मांग को पूरा करने के लिए संचालित हैं।

रेल नीर प्लांट निम्नलिखित हैं:

1) अम्बरनाथ (मुंबई, महाराष्ट्र)
2) बुटीबोरी (नागपुर, महाराष्ट्र)
3) मानेरी (जबलपुर, मध्य प्रदेश)
4) मंडी दीप (भोपाल, मध्य प्रदेश)
5) कुबेर एक्सटेंशन रामपुर (कोटा, राजस्थान)
6) सानंद (गुजरात)
7) औद्योगिक क्षेत्र (भुसावल, महाराष्ट्र)

उत्पादन क्षमता:

अम्बरनाथ प्लांट (मुंबई): लगभग। प्रति दिन 1,74,000 बोतलें

अन्य पांच प्लांट (प्रत्येक): लगभग प्रति दिन 72,000 बोतलें

सामूहिक रूप से, ये रेल नीर प्लांट

पश्चिमी रेलवे, मध्य रेलवे और पश्चिम मध्य रेलवे में पैक्ड पेयजल की एक स्थिर आपूर्ति सुनिश्चित कर रहे हैं, जिससे गुणवत्ता, सुरक्षा और विश्वसनीयता पर ध्यान केंद्रित करने के साथ यात्री सुविधाओं को मजबूत किया जा सकता है।

गौरव झा, समूह महाप्रबंधक IRCTC, वेस्ट ज़ोन, मुंबई ने कहा, कि 'वेस्ट ज़ोन के तहत IRCTC रेल नीर प्लांट यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं कि यात्रियों को अपनी यात्रा के दौरान स्वच्छ और सुरक्षित पैक्ड पेयजल प्राप्त होता है। यह यात्री आराम को बढ़ाने और भारतीय रेलवे में विश्व स्तरीय सेवाएं प्रदान करने के हमारे निरंतर प्रयास का हिस्सा है।'

पहले 'गुणवत्ता ' के लिए एक अटूट प्रतिबद्धता के साथ, IRCTC अपनी रेल नीर सुविधाओं का विस्तार और आधुनिकीकरण जारी रखता है, यह सुनिश्चित करता है कि ब्रांड में यात्रियों का विश्वास मजबूत बना रहे।

नासिक में एमएसआरटीसी बस और मोटरसाइकिल की टक्कर, तीन लोगों की मौत

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

नासिक जिले में एक दुखद सड़क दुर्घटना में तीन लोगों की मौत हो गई, जिसके बाद अधिकारियों ने जांच शुरू कर दी है और क्षेत्र में सड़क सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है। सोमवार सुबह, ताहराबाद-सटाणा मार्ग पर वनोली गाँव के पास भंवरपाड़ा फाटा के पास एक भीषण टक्कर हुई। सटाणा पुलिस के अनुसार, नंदुरबार से पालघर जिले के वसई जा रही महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम की एक बस एक दोपहिया वाहन से टकरा गई, जिससे मोटरसाइकिल सवार तीनों लोगों की तत्काल मौत हो गई। मृतकों की पहचान गोविंदा कालू पवार, विकास जयराम माली और रोशन दयाराम माली के रूप में हुई है, जो सभी सुकतमन गाँव के निवासी हैं।

पुलिस रिपोर्टों के अनुसार,

मोटरसाइकिल सवार ने नियंत्रण खो दिया, जिसके कारण यह दुर्घटना हुई। इस दुर्घटना के कारण व्यस्त सड़क पर यातायात अस्थायी रूप से रुक गया। मामला दर्ज कर लिया गया है और जाँच जारी है। जुलाई की शुरुआत में एक अलग दुखद दुर्घटना में सात लोगों की जान चली गई, जिनमें तीन महिलाएँ, तीन पुरुष और एक दो साल का बच्चा शामिल था। यह दुर्घटना डिंडोरी शहर के पास आधी रात के आसपास हुई जब एक कार और मोटरसाइकिल की टक्कर हो गई।

पुलिस रिपोर्टों से पता चलता है कि सात यात्रियों को ले जा रही मारुति ऑल्टो कार, नासिक शहर में एक जन्मदिन समारोह से लौट रही थी, जब उसकी टक्कर दो सवारियों वाली यामाहा MT-15 मोटरसाइकिल से हुई। टक्कर के ज़ोरदार प्रभाव से कार सड़क से उतर गई और पास की पानी से भरी नहर में पलट गई। डूबे हुए वाहन के अंदर फंसकर सभी सात लोग डूब गए। दो मोटरसाइकिल सवार गंभीर रूप से घायल हो गए, लेकिन बच गए और वर्तमान में नासिक जिला अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है।

मध्य रेल दशहरा और दिवाली उत्सव 2025 के दौरान सोलापुर मंडल से होकर 230 विशेष ट्रेनें चलाएगा

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मध्य रेल ने आगामी दशहरा और दिवाली उत्सव के दौरान यात्रियों की सुविधा के लिए सोलापुर मंडल से होकर विभिन्न गंतव्यों के बीच 230 विशेष ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया है, जिनका विवरण नीचे दिया गया है:

लातूर - हडपसर विशेष ट्रेनें (74 सेवाएँ)

ट्रेन संख्या 01429 विशेष ट्रेन 26.09.2025 से 28.11.2025 तक प्रत्येक सोमवार, मंगलवार, बुधवार और शुक्रवार को सुबह 09.30 बजे लातूर से प्रस्थान करेगी और उसी दिन दोपहर 15.30 बजे हडपसर पहुँचेगी। (37 सेवाएँ)

ट्रेन संख्या 01430 विशेष ट्रेन 26.09.2025 से 28.11.2025 तक प्रत्येक सोमवार, मंगलवार, बुधवार और शुक्रवार को हडपसर से 16.05 बजे प्रस्थान करेगी और उसी दिन 21.20 बजे लातूर पहुँचेगी। (37 सेवाएँ)

ठहरावः हरंगुल, मुरुड, धाराशिव, बारसी टाउन, कुर्डुवाडी, जेउर और दौंड।

संरचनाः 1 एसी प्रथम श्रेणी, 2 एसी-छः टियर, 4 एसी-छः टियर, 8 शयनयान श्रेणी, 4 सामान्य द्वितीय श्रेणी और 2 सामान्य द्वितीय श्रेणी सह गार्ड ब्रेकयान। (21 कोच)

एलटीटी मुंबई - लातूर साप्ताहिक स्पेशल (20 सेवाएँ)

ट्रेन संख्या 01007 साप्ताहिक स्पेशल 28.09.2025 से 30.11.2025 तक प्रत्येक रविवार को एलटीटी मुंबई से 00.55 बजे प्रस्थान करेगी और उसी दिन 13.30 बजे लातूर पहुँचेगी। (10 सेवाएँ)

ट्रेन संख्या 01008 साप्ताहिक स्पेशल 28.09.2025 से 30.11.2025 तक प्रत्येक रविवार को लातूर से 16.00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 04.50 बजे एलटीटी मुंबई पहुँचेगी। (10 सेवाएँ)

ठहरावः ठाणे, कल्याण, लोनावला, पुणे, दौंड, कुर्डुवाडी और धाराशिव।

संरचनाः 3 एसी-छः टियर, 10 स्लीपर श्रेणी, 5 सामान्य द्वितीय श्रेणी, 2 सामान्य द्वितीय श्रेणी सह गार्ड ब्रेक वैन। (20 कोच)

दौंड - कलबुरगि अनारक्षित सप्ताह में 5 दिन स्पेशल (96 सेवाएँ)

ट्रेन संख्या 01421 अनारक्षित स्पेशल 26.9.2025 से 1.12.2025 तक प्रत्येक सोमवार, मंगलवार, बुधवार, शुक्रवार और शनिवार को दौंड से सुबह 05.00 बजे प्रस्थान करेगी और उसी दिन 11.20 बजे कलबुरगि पहुँचेगी। (48 सेवाएँ)

ट्रेन संख्या 01422 अनारक्षित स्पेशल 26.9.2025 से 1.12.2025 तक प्रत्येक सोमवार, मंगलवार, बुधवार, शुक्रवार और शनिवार को 16.10 बजे कलबुरगि से प्रस्थान करेगी और उसी दिन 22.20 बजे दौंड पहुँचेगी। (48 सेवाएँ)

ठहरावः भिगवन, पारेवाडी, जेऊर, केम, कुर्डुवाडी, माढा, मोहोल, सोलापुर, टिकेकरवाडी, होटगी, अक्कलकोट रोड, बोरोटी, दुधनी और गाणगापुर रोड।

संरचनाः 10 सामान्य द्वितीय श्रेणी और 2 द्वितीय श्रेणी सह सामान सह गार्ड ब्रेक वैन। (12 डिब्बे)

दौंड - कलबुरगि अनारक्षित द्वि-साप्ताहिक विशेष ट्रेनें (40 सेवाएँ)

ट्रेन संख्या 01425 अनारक्षित विशेष ट्रेन 25.9.2025 से 30.11.2025 तक प्रत्येक गुरुवार और रविवार को दौंड से सुबह 05.00 बजे प्रस्थान करेगी और उसी दिन सुबह 11.20 बजे कलबुरगि पहुँचेगी। (20 सेवाएँ)

ट्रेन संख्या 01426 अनारक्षित विशेष ट्रेन 25.9.2025 से 30.11.2025 तक प्रत्येक गुरुवार और रविवार को 20.30 बजे कलबुरगि से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 02.30 बजे दौंड पहुँचेगी। (20 सेवाएँ)

ठहरावः भिगवन, पारेवाडी, जेऊर, केम, कुर्डुवाडी, माढा, मोहोल, सोलापुर, टिकेकरवाडी, होटगी, अक्कलकोट रोड, बोरोटी, दुधनी और गाणगापुर रोड।

संरचनाः 10 सामान्य द्वितीय श्रेणी और 2 द्वितीय श्रेणी सह सामान सह गार्ड ब्रेक वैन। (12 डिब्बे)

आरक्षण और बुकिंगः

विशेष ट्रेनों के लिए विशेष शुल्क पर आरक्षण सभी कम्प्यूटरीकृत आरक्षण केंद्रों और वेबसाइट www.irctc.co.in पर उपलब्ध हैं। अनारक्षित डिब्बों की बुकिंग स्टेशनों पर स्थित बुकिंग काउंटरों और यूटीएस ऐप के माध्यम से भी की जा सकती है। यात्रियों से अनुरोध है कि वे असुविधा से बचने के लिए वैध टिकट लेकर यात्रा करें।

इन विशेष ट्रेनों के ठहरावों की विस्तृत जानकारी के लिए, कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाएँ या एनटीईएस ऐप डाउनलोड करें।

लोकल ट्रेन में भूले डेढ़ लाख रुपये के आभूषण यात्री को वापस

मुंबई। वाशी रेलवे पुलिस ने लोकल ट्रेन में एक यात्री का 1.41 लाख रुपये मूल्य के सोने के आभूषणों से भरा बैग वापस किया है। यात्री बैग लोकल ट्रेन में भूल गया था और वाशी रेलवे स्टेशन आ गया था। वाशी रेलवे पुलिस स्टेशन के पुलिस अधिकारी जी.डी काशिद रात के समय घनसोली रेलवे स्टेशन पर गश्त कर रहे थे, तभी हवालदार कुंडगीर ने सूचना दी कि ठाणे जाने वाली ठाणे की तरफ की महिला डिब्बे के पीछे लगेज डिब्बे में एक बैग भूल गया है। उस बैग में सोने के आभूषण थे और उसे जब्त किया जाना चाहिए। तदनुसार, पुलिस तुरंत ट्रेन में पहुंची और बैग की तलाश की और उसे पुलिस स्टेशन ले आई। उन्होंने बैग के मालिक की तलाश की और यात्री को बुलाकर उससे पूछताछ की। उसने उन्हें बताया कि उसका नाम अरविंद वैजनाथ चौधरी (तलोजा) है बाद में जब पुलिस ने उनके सामने बैग खोला तो उसमें सोने के सारे गहने सही सलामत थे। उसमें एक बड़ा मंगलसूत्र, एक छोटा मंगलसूत्र, एक छोटी बच्ची की अंगूठी, एक छोटे बच्ची का कंगन, कुल 1 लाख 41 हजार रुपए के सोने के गहने थे। यात्री ने रेलवे पुलिस को धन्यवाद दिया।

रेलवे एलटीटी-सिकंदराबाद दुरंतो एक्सप्रेस में स्थायी आधार पर 2 शयनयान श्रेणी कोच जोड़ेगा

मुंबई(संवाददाता) ।रेलवे ट्रेन संख्या 12219/12220 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-सिकंदराबाद दुरंतो एक्सप्रेस में स्थायी रूप से 2 शयनयान श्रेणी कोच जोड़ेगा।

विवरण इस प्रकार हैः

ट्रेन संख्या 12219/12220 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-सिकंदराबाद दुरंतो एक्सप्रेस

पुरानी संरचना

एक प्रथम श्रेणी वातानुकूलित, चार द्वितीय श्रेणी वातानुकूलित, दस तृतीय श्रेणी वातानुकूलित, 1 द्वितीय श्रेणी सीटिंग और सामान सह गार्ड का ब्रेक वैन, 1 जनरेटर कार और 1 पेंट्री कार। - 18 डिब्बे

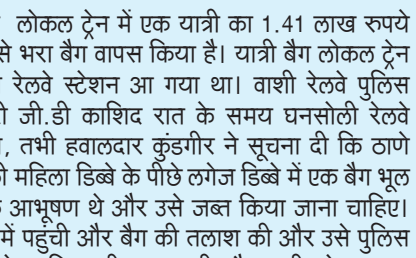

संशोधित संरचना

एक प्रथम श्रेणी वातानुकूलित, चार द्वितीय श्रेणी वातानुकूलित, दस तृतीय श्रेणी वातानुकूलित, 2 शयनयान श्रेणी कोच , 1 द्वितीय श्रेणी सीटिंग और सामान सह गार्ड ब्रेक वैन, 1 जनरेटर कार और 1 पेंट्री कार। - 20 डिब्बे

ट्रेन संख्या 12219 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-सिकंदराबाद दुरंतो एक्सप्रेस दिनांक 17.9.2025 से एलटीटी से संशोधित संरचना के साथ चलेगी।

ट्रेन संख्या 12220 सिकंदराबाद - लोकमान्य तिलक टर्मिनस दुरंतो एक्सप्रेस दिनांक 16.9.2025 से सिकंदराबाद से संशोधित संरचना के साथ चलेगी।

आरक्षणः ट्रेन संख्या 12219 में अतिरिक्त शयनयान श्रेणी कोच की बुकिंग दिनांक 10.09.2025 को सभी कम्प्यूटरीकृत आरक्षण केंद्रों और वेबसाइट www.irctc.co.in पर शुरू होगी। इन ट्रेनों के विस्तृत समय और ठहराव के लिए, कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाएँ या NTES ऐप डाउनलोड करें।

पश्चिम रेलवे द्वारा मुंबई सेंट्रल एवं इंदौर के बीच स्पेशल ट्रेन के फेरे विस्तारित

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा विशेष रूप से त्योहारी सीज़न के दौरान उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से मुंबई सेंट्रल एवं इंदौर के बीच विशेष किराये पर चलने वाली स्पेशल ट्रेन के फेरों को मौजूदा समय, ठहराव और संरचना के अनुसार विस्तारित किया गया है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस ट्रेन का विवरण इस प्रकार हैः

ट्रेन संख्या 09085/09086 मुंबई सेंट्रल-इंदौर (त्रि-साप्ताहिक) स्पेशल (14 फेरे)

ट्रेन संख्या 09085 मुंबई सेंट्रल-इंदौर स्पेशल ट्रेन प्रत्येक सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को मुंबई सेंट्रल से 23.20 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 13.00 बजे इंदौर पहुँचेगी। इस ट्रेन के फेरों को 15 से 29 सितंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09086 इंदौर-मुंबई सेंट्रल स्पेशल ट्रेन इंदौर से प्रत्येक मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को 17.00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 07.10 बजे मुंबई सेंट्रल पहुँचेगी। इस ट्रेन के फेरों को 16 से 30 सितंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, सूरत, वडोदरा, दाहोद, रतलाम और उज्जैन स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में फर्स्ट एसी, एसी 2-टियर और एसी 3-टियर कोच हैं।

ट्रेन संख्या 09085 एवं 09086 के विस्तारित फेरों की बुकिंग 09 सितंबर, 2025 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, समय और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

पश्चिम रेलवे

सिग्नलिंग कार्य

वरिष्ठ डीएसटीई/एस/मुंबई सेंट्रल, मुंबई - 400 008, ई-निविदा सूचना संख्याः SG_217_2_308_WA दिनांकः 04.09.2025 आमंत्रित करता है। **कार्य का नामः** मुंबई मंडल, पश्चिम रेलवे के अंधेरी यार्ड में प्लेटफॉर्म के विस्तार के साथ मौजूदा परिचालन बाधाओं को दूर करने हेतु नियंत्रण टावर को नए स्थान पर स्थानांतरित करने के बाद यार्ड री-मॉडलिंग के संबंध में सिग्नलिंग कार्य। **कार्य की अनुमानित लागतः** 1,93,13,447.27। **ब्याज राशिः** 2,46,600/-। **ई-निविदा दस्तावेज़ जमा करने की अंतिम तिथि और समयः** 26.09.2025, 15:00 बजे तक। **ई-निविदा खोलने की तिथि और समयः** 26.09.2025 को 15:30 बजे। निविदा वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है। 0580

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे बांद्रा टर्मिनस एवं अहमदाबाद के बीच चलाएगी साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन

मुंबई(संवाददाता)।पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा त्योहारी सीज़न के दौरान उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से बांद्रा टर्मिनस एवं अहमदाबाद स्टेशनों के बीच विशेष किराए पर एक साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस ट्रेन का विवरण इस प्रकार हैः

ट्रेन संख्या 09441/09442 बांद्रा टर्मिनस-अहमदाबाद साप्ताहिक स्पेशल (4 फेरे) ट्रेन संख्या 09441 बांद्रा टर्मिनस-अहमदाबाद स्पेशल बुधवार, 17 और 24 सितम्बर, 2025 को बांद्रा टर्मिनस से 22:50 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 07:40 बजे अहमदाबाद पहुँचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09442 अहमदाबाद-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल मंगलवार, 16 और 23 सितम्बर, 2025 को अहमदाबाद से 21:15 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 06:00 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुँचेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, सूरत, वडोदरा, आणंद और नाडियाद स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में एसी 2 टियर, एसी 3 टियर, स्लीपर क्लास और द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे होंगे।

ट्रेन संख्या 09441 एवं 09442 की बुकिंग 09 सितम्बर, 2025 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

पश्चिम रेलवे

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, मुंबई सेंट्रल मंडल, पश्चिम रेलवे मंडल रेल प्रबंधक, वाणिज्य विभाग, एनएफआर अनुभाग, मुंबई सेंट्रल, मुंबई - 400 008

कार्य - मुंबई मंडल में विभिन्न एनएफआर मीडिया के माध्यम से विज्ञापन प्रदर्शित करना

नीलामी सूची क्रमांक	नीलामी प्रारंभ (सभी लॉट)
MMCT-ADVT-25-35	25-09-25 15:00:00

अ. क्र.	लॉट संख्या	स्थान/क्षेत्र	दिन	ई-नीलामी की समाप्ति तिथि और समय
1	ADVT-BCT-BYR-OSN-429-25-1 (Advertising-On Station Premise (Non-Digital))	भयंदर (बीवाईआर) स्टेशन पर फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) पर तीन वर्ष की अवधि के लिए थोक विज्ञापन अधिकार।	1096	25-09-25 15:30:00

संपर्क विवरणः लैंडलाइन नंबरः 02267644212, ईमेल आईडीः acmadvtgbct@gmail.com

नोटः संभावित बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे आईआरईपीएस वेबसाइट (www.ireps.gov.in) पर ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल देखें। लॉट-वार विवरण नीचे दिए गए कैटलॉग में उपलब्ध हैं। 0582

Like us on: facebook.com/WesternRly • Follow us on: X.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे बांद्रा टर्मिनस ⟷ अहमदाबाद के बीच साप्ताहिक विशेष ट्रेन चलाएगा

ट्रेन संख्या	प्रारंभिक स्टेशन और गंतव्य	सेवा की तिथियां	प्रस्थान	आगमन
09441	बांद्रा टर्मिनस -अहमदाबाद	17.09.2025 & 24.09.2025	22:50 hrs (बुधवार)	07:40 hrs (अगले दिन)
09442	अहमदाबाद - बांद्रा टर्मिनस	16.09.2025 & 23.09.2025	21:15 hrs (मंगलवार)	06:00 hrs (अगले दिन)
ठहरावः बोरीवली, वापी, सूरत, वडोदरा, आणंद और नाडियाड स्टेशन दोनों दिशाओं में।				
संरचनाः एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास और सामान्य द्वितीय श्रेणी के डिब्बे।				

1) ट्रेन संख्या 09085 मुंबई सेंट्रल - इंदौर स्पेशल (त्रि-साप्ताहिक) 29.09.2025 तक विस्तारित

2) ट्रेन संख्या 09086 इंदौर - मुंबई सेंट्रल स्पेशल (त्रि-साप्ताहिक) 30.09.2025 तक विस्तारित

ठहराव, ठहराव के समय और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जा सकते हैं।

ट्रेन संख्या 09441 और 09442 तथा ट्रेन संख्या 09085 और 09086 की विस्तारित यात्राओं की बुकिंग 09.09.2025 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। उपरोक्त ट्रेनें विशेष किराए पर विशेष ट्रेनों के रूप में चलेंगी।

पश्चिम रेलवे
wr.indianrailways.gov.in
Like us on: facebook.com/WesternRly
Follow us on: x.com/WesternRly
instagram.com/WesternRly

कृपया सभी आरक्षित टिकटों के लिए मूल पहचान पत्र साथ लाएँ

काम के घंटे बढ़ाए जाने पर हिंद मजदूर सभा की धमकी

'सरकार फैसला वापस लें, नहीं तो करेंगे आंदोलन'

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र सरकार की तरफ से फैक्ट्रियों, दुकानों और अन्य प्रतिष्ठानों में काम के घंटे बढ़ाने के हालिया फैसले को लेकर मजदूर संगठनों में गहरा असंतोष फैल गया है। हिंद मजदूर सभा ने सोमवार को इस फैसले को तुरंत वापस लेने की मांग करते हुए चेतावनी दी कि अगर सरकार ने इसे नहीं माना, तो पूरे राज्य में जबरदस्त आंदोलन छेड़ा जाएगा।

फैसला पूरी तरह मजदूर विरोधी है- वाधवकर

हिंद मजदूर सभा की महाराष्ट्र परिषद के महासचिव संजय वाधवकर ने कहा कि यह फैसला पूरी तरह मजदूर विरोधी है और इससे मजदूरों का कानूनी शोषण बढ़ेगा। उन्होंने कहा, 'श्रम विभाग में इतनी ताकत नहीं है कि वह हर जगह निगरानी कर सके। ऐसे में कंपनियों को मनमानी करने का खुला मौका मिल जाएगा। यह फैसला केंद्र सरकार के दबाव में कॉरपोरेट मालिकों के मुनाफे के लिए लिया गया है, जबकि इससे मजदूरों की सेहत और अधिकारों पर सीधा असर पड़ेगा।'

फैसले से मजदूरों के लिए क्या बदलेगा?

महाराष्ट्र कैबिनेट ने 3 सितंबर को पुराने कानूनों में बदलाव को मंजूरी दी थी। इसके तहत फैक्ट्री कर्मचारियों के दैनिक काम के घंटे 9 से बढ़ाकर 12 घंटे कर दिए जाएंगे। पहले मजदूरों को 5 घंटे

काम करने के बाद 30 मिनट का विश्राम मिलता था, अब यह 6 घंटे बाद मिलेगा। ओवरटाइम की सीमा 115 घंटे प्रति तिमाही से बढ़ाकर 144 घंटे की जाएगी, लेकिन इसके लिए मजदूर की लिखित सहमति जरूरी होगी। साप्ताहिक काम के घंटे 10.5 घंटे से बढ़ाकर 12 घंटे कर दिए जाएंगे।

दुकान और प्रतिष्ठान कर्मचारियों के लिए बदलाव

दुकानों और अन्य प्रतिष्ठानों के कर्मचारियों के दैनिक काम के घंटे 9 से बढ़ाकर 10 घंटे कर दिए जाएंगे। ओवरटाइम सीमा 125 घंटे से बढ़ाकर 144 घंटे कर दी जाएगी। आपातकालीन ड्यूटी की अधिकतम सीमा भी 12 घंटे होगी। ये बदलाव केवल 20 या उससे अधिक कर्मचारियों वाले प्रतिष्ठानों पर लागू होंगे।

संगठनों का गुस्सा और सरकार का तर्क

संजय वाधवकर का कहना है कि इन बदलावों से न केवल काम के घंटे बढ़ेंगे, बल्कि पहले से मौजूद सुरक्षा और कल्याण संबंधी प्रावधान भी कमजोर हो जाएंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि यह फैसला बिना किसी ट्रेड यूनियन से परामर्श किए लिया गया, जो लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं का उल्लंघन है। वाधवकर ने चेतावनी दी कि अगर यह फैसला वापस नहीं लिया गया, तो हिंद मजदूर सभा अन्य मजदूर संगठनों के साथ मिलकर पूरे राज्य में आंदोलन करेगी।

इन राज्यों में पहले ही लागू है नियम

वहीं, सरकारी अधिकारियों का कहना है कि यह बदलाव केंद्र सरकार के टास्क फोर्स की सिफारिशों के आधार पर किए गए हैं। इससे महाराष्ट्र को कर्नाटक, तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश और त्रिपुरा जैसे राज्यों की बराबरी में लाया जाएगा, जहां ऐसे नियम पहले ही लागू हो चुके हैं।

मजदूर संगठनों की मुख्य चिंता

लंबे काम के घंटे मजदूरों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाएंगे। आराम करने का समय कम होने से थकान और दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ेगा। श्रम विभाग में निगरानी के लिए पर्याप्त स्टाफ नहीं है, जिससे कानून का दुरुपयोग होगा। मजदूरों के अधिकारों में कटौती और कॉरपोरेट कंपनियों को फायदा मिलने का डर है। हिंद मजदूर सभा का कहना है कि यह फैसला मजदूरों के हितों के खिलाफ है और अगर इसे नहीं रोका गया, तो आने वाले दिनों में राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन देखने को मिलेंगे।

मराठी पत्रकार संघ की ओर से मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को फीनिक्स पुरस्कार से सम्मानित

'फीनिक्स पुरस्कार से कार्य करने और जिम्मेदारी निभाने की शक्ति दोगुनी हुई है' - मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। मराठी पत्रकार संघ द्वारा प्रदान किया गया और गुरुदेव श्री श्री रविशंकर के करकमलों से प्राप्त फीनिक्स पुरस्कार कार्य करने तथा पद की जिम्मेदारियाँ निभाने की शक्ति दोगुनी करने वाला है, ऐसा प्रतिपादन मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने किया।

मराठी पत्रकार संघ की ओर से आज यहां यशवंतराव चव्हाण प्रतिष्ठान में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री फडणवीस को फीनिक्स पुरस्कार से सम्मानित किया गया। साथ ही उनके जीवन पर आधारित वीडियो बुक का प्रकाशन भी किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री फडणवीस ने अपने मनोगत व्यक्त किए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि, जब हमारे हाथों से कोई सत्कर्म होता है, तो उसका गौरव स्वीकार करना चाहिए। गुरुदेव श्री श्री रविशंकर के हाथों पुरस्कार प्राप्त करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। मैं पत्रकार संघ और संपादक मंडल का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। यह समारोह अत्यंत सुव्यवस्थित और कल्पकता से सुसज्जित है।

उन्होंने आगे कहा कि, पत्रकार और राजनेता लोकतंत्र की गाड़ी के दो पहिए हैं। ये दोनों पहिए साथ-साथ चलते रहें तो ही लोकतंत्र सही पटरी पर चलता है। पत्रकारों को आलोचना करने का अधिकार है, लेकिन हमारी बात भी सुननी चाहिए। लोकतंत्र परिपक्व होने के लिए पत्रकारिता की स्वतंत्रता अक्षुण्ण रहनी चाहिए। पत्रकारों को आने वाली कठिनाइयों को दूर करने के लिए सरकार हमेशा उनके साथ खड़ी है।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि आज की प्रतिस्पर्धात्मक दुनिया में पत्रकारिता और भी चुनौतीपूर्ण हो गई है। कोविड-19 के बाद तो यह कठिनाई और बढ़ी है। पत्रकार दिन-रात सड़कों पर रहते हैं। लोकतंत्र का यह महत्त्वपूर्ण स्तंभ मजबूत रहे, इसके लिए सरकार की ओर से हर संभव मदद की जाएगी।

उन्होंने बताया कि सकारात्मक सोच के बल पर अनेक पीढ़ियों के लिए उपयोगी कार्य किए जा सकते हैं। जलयुक्त शिवार योजना और किसानों की निराशा दूर करने वाली पहलें गुरुदेव की प्रेरणा से संभव हुईं। आर्ट ऑफ लिविंग के कार्यकर्ताओं ने सरकार के साथ मिलकर जलसंधारण कार्यों में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया।

भारतीय योग, आयुर्वेद, चिकित्सा और परंपराओं को वैश्विक मान्यता दिलाने में रविशंकर का महत्त्वपूर्ण योगदान है। भारतीय विचारों को विश्वभर में पहुँचाने और मानवता का धर्म सिखाने का कार्य उन्होंने किया है। उनके हाथों मिला यह पुरस्कार मेरे लिए विशेष गर्व का विषय है, ऐसा मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया।

इस अवसर पर रविशंकर ने भी पत्रकारों द्वारा समाजसेवा में दिए जा रहे योगदान की सराहना की। कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर, कौशल विकास, रोजगार एवं नवोन्मेष मंत्री मंगलप्रभात लोढ़ा, आध्यात्मिक गुरु रविशंकर, मराठी पत्रकार संघ के आमंत्रक किरण जोशी, सकाळ समूह के संपादक निलेश खरे, लोकमत के समूह संपादक विजय बाविस्कर, ABP माझा की संपादक सरीता कौशिक, तथा पुढारी के संपादक विवेक गिरधारी सहित अनेक पत्रकार व अनुयायी उपस्थित थे।

दिवाली/छठ पूजा त्योहारों के अवसर पर रेलवे मुंबई और गोमती नगर के बीच 12 अतिरिक्त त्यौहार विशेष ट्रेनें चलाएगा

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

दिवाली/छठ पूजा त्योहारों के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए रेलवे लोकमान्य तिलक टर्मिनस और गोमती नगर के बीच 12 अतिरिक्त त्यौहार विशेष ट्रेन सेवा चलाएगा। विवरण इस प्रकार हैः

लोकमान्य तिलक टर्मिनस-गोमती नगर साप्ताहिक विशेष (12 सेवाएँ)

05326 साप्ताहिक विशेष ट्रेन दिनांक 28.9.2025 से 02.11.2025 तक प्रत्येक रविवार को सुबह 07.55 बजे लोकमान्य तिलक टर्मिनस से प्रस्थान करेगी और अगले दिन सुबह 10.45 बजे गोमती नगर पहुँचेगी। (6 सेवाएँ)

05325 साप्ताहिक विशेष ट्रेन दिनांक 27.9.2025 से 01.11.2025 तक प्रत्येक शनिवार को गोमती नगर से 00.15 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 05.50 बजे एलटीटी पहुँचेगी। (6 सेवाएँ)

ठहरावः कल्याण, इगतपुरी, नासिक रोड, भुसावल, खंडवा, इटारसी, रानी कमलापति, बीना, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी, उरई, कानपुर सेंट्रल, ऐशबाग, लखनऊ सिटी और बादशाहनगर

संरचनाः एक वातानुकूलित -2 टियर, तीन वातानुकूलित -3 टियर, 8 शयनयान श्रेणी, 6 सामान्य द्वितीय श्रेणी और 2 द्वितीय सीटिंग सह गार्ड ब्रेकयान।

आरक्षणः ट्रेन संख्या 05326 की यात्राओं के लिए बुकिंग सभी कम्प्यूटरीकृत आरक्षण केंद्रों और वेबसाइट www.irctc.co.in पर उपलब्ध है।

विस्तृत समय और ठहराव के लिए कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाएँ या NTES ऐप डाउनलोड करें।

नवी मुंबई नगर निगम के मोरबे बांध स्थल पर जलपूजन सम्पन्न

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

स्वतंत्रता के बाद नवी मुंबई एकमात्र नगर निगम है जिसके पास अपना बांध है और मोरबे बांध के कारण नवी मुंबई को जल-समृद्ध नगर निगम के रूप में जाना जाता है। पातालगंगा नदी की सहायक नदी धावड़ी पर खालापुर तालुका में स्थित 450 डी.एल.एल. प्रतिदिन क्षमता वाला मोरबे बांध अपनी पूरी क्षमता से भरा हुआ है और महाराष्ट्र राज्य के वन मंत्री श्री गणेश नाइक के तत्वावधान में और नगर आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे की उपस्थिति में पारंपरिक तरीके से मोरबे बांध का जलपूजन संपन्न हुआ।

इस अवसर पर अपर आयुक्त श्री सुनील पवार और डॉ. राहुल गेठे, नगर अभियंता श्री शिरीष आर्डवाड, अपर नगर अभियंता श्री अरविंद शिंदे और अन्य विभागाध्यक्ष एवं अधिकारी उपस्थित थे। साथ ही, पूर्व सांसद श्री संजीव नाइक, पूर्व महापौर श्री सागर नाइक, पूर्व नगरसेवक श्री. डॉ. जयाजी नाथ, अनंत सुतार, रवींद्र इथापे, रामचंद्र घरत, दशरथ भगत, श्री नेत्र शिकै और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन के वर्तमान खतरे को देखते हुए पर्यावरण संरक्षण के लिए सक्रिय कदम उठाने की आवश्यकता पर बल देते हुए, महाराष्ट्र राज्य के वन मंत्री श्री गणेश नाइक ने कहा कि अगले 5 वर्षों में राज्य भर में 250 करोड़ पेड़ लगाने के लिए योजनाबद्ध कदम उठाए जा रहे हैं। स्वतंत्रता के बाद के युग में नवी मुंबई एकमात्र नगर निगम है जिसके पास अपना बांध है और आने वाले समय में बढ़ती आबादी को पानी की आपूर्ति के लिए अन्य जल स्रोतों की योजना बनाई जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि नवी मुंबई नगर निगम को मोरबे बांध परियोजना के निकट क्षेत्र में एक मनोरंजन केंद्र विकसित करने और सौर पैनलों के माध्यम से ऊर्जा उत्पादन करके आय के स्रोत मिलेंगे। उन्होंने मोरबे बांध में जल भंडारण को स्वच्छ बनाए रखने के लिए तत्काल आवश्यक उपाय करने का सुझाव दिया। एनएमसी आयुक्त और प्रशासक डॉ. कैलाश शिंदे ने विचार व्यक्त किया कि इस वर्ष अगस्त में मोरबे बांध पूरी तरह भर गया था, जो प्रकृति का आशीर्वाद है और नवी मुंबई के लोगों के लिए खुशी की बात है। नवी मुंबई के लोगों को स्वच्छ, शुद्ध और पर्याप्त जल उपलब्ध कराने के लिए नगर निगम द्वारा जल वितरण की योजना की जानकारी देते हुए, आयुक्त ने बताया कि वर्ष 2055 तक जनसंख्या 40 से 45 लाख हो जाएगी, इसे ध्यान में रखते हुए पातालगंगा, पोशीर और शिलार बांधों से जल संग्रहण उपलब्ध कराने की योजना बनाई जा रही है। इसी प्रकार, पारसिक हिल बेलापुर से महापे जंक्शन तक 15 किलोमीटर जलमार्गों की योजना बनाई गई है, जिसके माध्यम से पूरे नगर निगम क्षेत्र में मोरबे बांध से जलापूर्ति शुरू हो जाएगी, ऐसा उन्होंने बताया। उन्होंने नागरिकों से पीने के पानी का संयम से उपयोग करने की अपील करते हुए कहा कि जल संसाधनों की स्थिरता बढ़ाने के लिए गैर-पेय प्रयोजनों के लिए पुनर्चक्रित जल उपलब्ध कराने का कार्यान्वयन चल रहा है।

प्रकृति की कृपा से इस वर्ष अगस्त माह में मोरबे बांध के पूरी तरह भर जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए, अतिरिक्त नगर अभियंता श्री अरविंद शिंदे ने आभार व्यक्त किया।

मोरबे बांध क्षेत्र में अब तक 3901 मिमी वर्षा दर्ज की गई है और जल स्तर 88 मीटर से अधिक पहुँच गया है। बांध में 190.89 डी.एल.एच.एम. जलभंडार है और आज बांध के द्वार 25 सेमी खोलकर पानी छोड़ा गया।

इसी प्रकार, परंपरानुसार जलपूजन किया गया और प्रार्थना की गई कि मोरबे बांध का जलभंडार हर साल पूरी तरह भर जाए। हालाँकि मोरबे बांध में प्रचुर मात्रा में पानी उपलब्ध है, फिर भी नवी मुंबई के जागरूक नागरिकों से यह अपील की जा रही है कि वे पीने के पानी के महत्व को समझें और उसका संयम से उपयोग करें।

'17 सितंबर से पहले मराठों को कुनबी प्रमाण-पत्र देना शुरू करें, वरना...'; जरांगे की चेतावनी

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण की आग अभी थमी नहीं है। मराठा आरक्षण का चेहरा बन चुके मनोज जरांगे ने एक बार फिर महाराष्ट्र सरकार को चेतावनी दी है। उन्होंने मांग की है कि महाराष्ट्र सरकार 17 सितंबर से पहले मराठों को कुनबी जाति प्रमाण पत्र जारी करने के लिए पिछले सप्ताह जारी किए गए सरकारी आदेश को लागू करे। अगर ऐसा नहीं होता है तो वह फिर से 'कठोर निर्णय' लेने के लिए बाध्य होंगे।

छत्रपति संभाजीनगर के अस्पताल में जरांगे ने संवाददाताओं से कहा कि हमें उम्मीद है कि सरकार राज्य के तालुका स्तर के कार्यालयों से जीआर पर कार्रवाई करने को कहेगी। हमें उम्मीद है कि 17 सितंबर से पहले काम शुरू हो जाएगा। अगर ऐसा नहीं हुआ तो मुझे कड़े फैसले लेने होंगे। गौरतलब है कि बीते सप्ताह मुंबई में अपना आंदोलन वापस लेने के बाद से वह अस्पताल में इलाज करा रहे हैं।

इस दौरान जरांगे ने यह भी कहा कि सर्टिफिकेट का वितरण 17 सितंबर से

पहले जीआर के आधार पर शुरू हो जाना चाहिए। मुझे विश्वास है कि सरकार इस पर कार्रवाई करेगी। अगर वे येओला (जाहिर तौर पर मंत्री छगन भुजबल की ओर इशारा करते हुए) के किसी व्यक्ति की बात सुनते हैं और कुछ भी गलत होता है, तो हम 1994 के जीआर को भी चुनौती देंगे, जिसके तहत हमारा आरक्षण दूसरों को दे दिया गया था।

17 सितंबर की ही तारीख क्यों चुनी जरांगे ने?

बता दें कि 17 सितंबर की तारीख मराठों के लिए खास महत्व रखती है। यह दिन मराठवाड़ा मुक्ति दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह मराठवाड़ा के भारत में एकीकरण और निजाम के शासन वाले हैदराबाद राज्य के भारत संघ में विलय की वर्षगांठ का प्रतीक है।

इस दौरान जरांगे ने इन लोगों की आलोचना भी की जिनका विचार था कि जीआर मराठा समुदाय के लिए लाभदायक नहीं होगा। जरांगे ने कहा कि ऐसा कहने वाले मराठा विद्वान पागल हो गए हैं और अब सरकारी आदेश आ जाने के बाद सो नहीं पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम बीड के नारायणगढ़ में दशहरा रैली में अपनी आगे की नीति की घोषणा करेंगे।

गौरतलब है कि आरक्षण कार्यकर्ता विनोद पाटिल ने बीते सप्ताह पात्र समुदाय के सदस्यों को कुनबी प्रमाण पत्र देने संबंधी जीआर को पूरी तरह से बेकार बताया था। पाटिल ने दावा किया कि जरांगे द्वारा आंदोलन शुरू करने के बाद जारी किया गया सरकारी आदेश समुदाय को किसी भी तरह से सार्थक लाभ नहीं पहुंचाएगा।

मराठा आरक्षण आंदोलन के समर्थक मनोज जरांगे ने बीते मंगलवार को मुंबई में पांच दिन से चल रहे अपने अनशन को तब खत्म किया जब सरकार ने उनकी ज्यादातर मांगें मान लीं। राज्य सरकार ने एक सरकारी आदेश जारी किया, जिसमें पात्र मराठा समुदाय के लोगों को कुनबी (ओबीसी) जाति प्रमाणपत्र देने का प्रावधान किया गया है। इसके बाद मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा था कि सरकार ने मराठा समाज के हित में समाधान निकाला है।

लोकल ट्रेन में मोबाइल फोन चुराने वाला आरोपी रंगे हाथों पकड़ा गया

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। मुंबई लोकल ट्रेनों में भीड़ का फायदा उठाकर लोकल ट्रेन यात्री की जेब से महंगा मोबाइल फोन चुराने वाले शातिर के एक आरोपी को रेलवे पुलिस की रेलवे पुलिस सुरक्षा पथक ग्रुप-बी (सेंट्रल परिमंडल क्राइम ब्रांच) ने रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया है। और उसे दादर रेलवे पुलिस स्टेशन को सौंप दिया गया है। आरोपी का नाम मोहम्मद सादिक मोहम्मद शमीम है। वह दिल्ली का रहने वाला है और अब मोबाइल फोन मालिक समीर पलांडे को लौटा दिया गया है।

जब पुलिस चिंचपोकली रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर गश्त कर रही थी, तब रात में आने वाली कल्याण स्लो लोकल के मोटर मैन साइड के एक पुरुष यात्री के जनरल डिब्बे में सवार होने के दौरान, रेल यात्री समीर एकनाथ पलांडे घाटकोपर जाने वाली लोकल में सवार हुए। उस समय उनके मावस भाऊ मिलिद मंचेकर थे। जब ट्रेन विद्याविहार रेलवे स्टेशन पहुंची, तो देखा गया कि उनकी जेब में रखा मोबाइल फोन गायब था तभी उन्हें महिला पुलिस अधिकारी ने उन्हें बताया कि एक चोर पकड़ा गया है और उसे दादर रेलवे पुलिस स्टेशन, प्लेटफार्म नंबर 12 पर आना होगा। इसके बाद, जब शिकायतकर्ता वहाँ गया, तो पुलिस ने उसे दादर रेलवे पुलिस स्टेशन की क्राइम ब्रांच में बुलाया और बताया कि क्राइम ब्रांच पुलिस ने मोहम्मद सादिक मोहम्मद शमीम को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी न्यू गणेश पार्क, रशीद मार्केट, कृष्णानगर, पूर्वी दिल्ली में रहता है। उसकी तलाशी के दौरान एक मोबाइल फ़ोन मिला, जिसे यात्री ने पहचान लिया और उस पर पासवर्ड डालकर बताया कि यह मोबाइल फ़ोन उसका है।

'विजन डॉक्यूमेंट 2047': राज्य की नीतियों के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत

'विजन डॉक्यूमेंट 2047 के अनुसार नीति बनाएं, 'विकसित महाराष्ट्र' का सपना पूरा करें' मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

मुंबई। महाराष्ट्र के 'विजन डॉक्यूमेंट 2047' को भविष्य की नीतियों के लिए मार्गदर्शक तत्वों का स्थान देने पर जोर दिया। गीता, बाइबिल, कुरान और विकास का सविंधान की तरह, विकसित महाराष्ट्र वीज़न डॉक्यूमेंट 2047 की समीक्षा हेतु सह्याद्री अतिथिगृह में हुई। बैठक की अध्यक्षता मुख्यमंत्री फडणवीस ने की, जिसमें उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, मुख्य सचिव राजेश कुमार सहित कई विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रधान सचिव एवं सचिव उपस्थित थे। जल, ऊर्जा, शिक्षा, सामाजिक कल्याण, उद्योग और सेवा, प्रौद्योगिकी व अर्थव्यवस्था जैसे क्षेत्रों पर प्रस्तुतियों का विस्तार से मूल्यांकन किया गया।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा कि यह डीप थिंकिंग का प्रमाण हैं और उन्होंने संतोष व्यक्त किया। 'हम सही रास्ते पर हैं। अगले 25 वर्षों के लिए एक रोडमैप तैयार हो रहा है। विज़न का मतलब दिशा होता है हमारे लक्ष्यों और दिशा का स्पष्ट होना आवश्यक है।' उन्होंने यह भी कहा कि यह सिर्फ कागजी योजना नहीं होनी चाहिए, बल्कि इसे वास्तविकता में उतराने के लिए पूरी क्षमता लगानी होगी। 'पाँच साल तक इस विज़न पर लगातार काम किया, तो 2047 तक 'विकसित महाराष्ट्र' का सपना पूरा हो सकता है।'

मुख्यमंत्री फडणवीस ने सहकार क्षेत्र के महत्व, प्रशासन में सूचना प्रौद्योगिकी के अधिकतम उपयोग, भारत नेट का शीघ्र विकास, और साइबर सुरक्षा में अंतरराष्ट्रीय सहयोग पर भी जोर दिया। उन्होंने विश्वास जताया कि यह वीज़न डॉक्यूमेंट देश के सर्वश्रेष्ठ में से एक होगा, और शिक्षा संस्थानों व विश्वविद्यालयों की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए विशेष ध्यान देने का आह्वान किया।

उपमुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि इस विज़न में यह दिखता है कि महाराष्ट्र 22 साल बाद कैसा होना चाहिए। यह एक ऐसा रोडमैप है जो भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर दिशा निर्धारित करता है। बड़े सपने तभी सच होते हैं जब जिम्मेदारी प्रशासन और सरकार दोनों पर बराबर हो। विज़न में जनता की अपेक्षाओं को पूरा करने की शक्ति है, और समाज के अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुँचाना इसका मुख्य उद्देश्य है।

बैठक में यह विश्वास दोहराया गया कि 'विकसित महाराष्ट्र विज़न 2047' सिर्फ कागज़ पर नहीं, वास्तविकता में लागू होकर राज्य के विकास को तेज करेगा।

कोविड-19 प्रोटोकॉल का उल्लंघन करने वाला व्यक्ति बरी, कोर्ट ने कहा- 'एकमात्र गवाही से दोष साबित नहीं होता'

मुंबई के ठाणे अदालत ने कोविड लॉकडाउन उल्लंघन मामले में आरोपी को बरी करते हुए बड़ा फैसला सुनाया है. अदालत ने कोविड-19 महामारी के दौरान लॉकडाउन आदेशों का उल्लंघन करने और लोक सेवक के कार्य में बाधा डालने के आरोप में दर्ज मामले में आरोपी को बरी कर दिया है. अदालत ने कहा कि मात्र शिकायतकर्ता की गवाही पर दोष सिद्ध नहीं किया जा सकता.

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश वी जी मोहिते ने तीन सितंबर को पारित आदेश में कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपों को साबित करने के लिए पर्याप्त पुष्टिकारक साक्ष्य प्रस्तुत नहीं कर सका.

क्या है पूरा मामला?

इस ममले में ठाणे नगर निगम में लिपिक जितेन्द्र साबले की शिकायत पर मुम्ब्रा निवासी अनवर मीर सैयद के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी. प्राथमिकी में कहा गया कि सैयद ने नौ और दस अप्रैल, 2020 को साबले और उनके साथियों द्वारा गश्त लगाते समय उनके काम में बाधा उत्पन्न की. उस समय जिले में महामारी नियंत्रण के तहत निषेधाज्ञा लागू थी. सैयद पर भारतीय दंड संहिता, महामारी रोग अधिनियम और आपदा प्रबंधन अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था.

इसके बाद अभियोजन पक्ष ने केवल शिकायतकर्ता साबले और जांच अधिकारी (आईओ) रुपचंद शिंदे की गवाही के आधार पर अपना मामला प्रस्तुत किया. जबकि बचाव पक्ष ने साक्ष्यों को चुनौती दी. अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष शिकायतकर्ता की गवाही के समर्थन में एक भी स्वतंत्र प्रत्यक्षदर्शी गवाह पेश नहीं कर सका.

इसके साथ ही उसने कहा, 'जांच अधिकारी ने शिकायतकर्ता द्वारा अपने सहयोगियों के साथ उक्त तिथि, समय और स्थान पर की गई गश्त ड्यूटी को दर्शाने वाले दस्तावेजी साक्ष्य एकत्र नहीं किए हैं. कथित घटना का कोई स्वतंत्र प्रत्यक्षदर्शी नहीं है.

सम्पादकीय

बिहार, तमिलनाडु, महाराष्ट्र और दिल्ली समेत कई राज्यों में 60 फीसदी से ज्यादा मंत्रियों पर आपराधिक मामले

एक आदर्श राजनेता वही होता है, जो ईमानदार, जिम्मेदार और जन-हितैषी हो। पारदर्शिता, निष्पक्षता और जनता के प्रति जवाबदेही उनके कार्य का हिस्सा हो। जो आमजन की समस्याओं और जरूरतों को भली-भांति समझे और उनका निराकरण करे। किसी भी जनप्रतिनिधि का यह मूल कर्त्तव्य है कि वह समाज में सौहार्द, शांति, सामंजस्य और सकारात्मक मूल्यों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध रहे। मगर जब जनता का चुना हुआ नुमाइंदा खुद ही आपराधिक आरोपों के घेरे में आ जाए तो इन सब आदर्शों का क्या महत्त्व रह जाता है? इस तरह के मामले जब बड़ी संख्या में सामने आने लगे तो सियासत में शुचिता के स्तर का अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है।

चुनाव अधिकार संस्था एसोसिएशन फार डेमोक्रेटिक रिफार्म्स (एडीआर) की एक हालिया अध्ययन रपट में खुलासा किया गया है कि देश के लगभग 47 फीसद मंत्रियों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। यानी केंद्र और राज्य सरकारों के कुल मंत्रियों में से करीब आधे आपराधिक गतिविधियों में आरोपी हैं। यह आंकड़ा चौंकाने वाला और आम जनमानस को सचेत करने वाला है। सवाल है कि अगर जनप्रतिनिधियों की ही छवि इस तरह की है, तो हम किस तरह के समाज और राष्ट्र का निर्माण कर रहे हैं?

रपट के मुताबिक, जिन मंत्रियों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं, उनमें हत्या, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ अपराध जैसे गंभीर आरोप शामिल हैं। राष्ट्रीय स्तर पर चालीस फीसद केंद्रीय मंत्रियों ने खुद पर आपराधिक मामले दर्ज होने की जानकारी अपने चुनावी हलफनामे में दी है।

आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, बिहार, ओड़ीशा, महाराष्ट्र, कर्नाटक, पंजाब, तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली और पुदुचेरी में साठ फीसद से ज्यादा मंत्रियों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। इससे साफ है कि राजनीति में आपराधिक छवि वाले नेताओं का दबदबा बेरोक-टोक बढ़ रहा है। मगर सबसे महत्त्वपूर्ण सवाल यह है कि दागदार नेताओं को संसद या विधानसभा में भेजने और सरकार का हिस्सा बनाने का मौका कौन दे रहा है?

सवाल यह भी है कि जनता को कैसे पता चलेगा कि किस नेता का आचरण कैसा है और उस पर आपराधिक मामला दर्ज है या नहीं? इसका जवाब चुनाव आयोग के उस कदम में समाहित है, जिसमें सभी राजनीतिक दलों को निर्देश दिया गया है कि वे चुनाव में अपने उम्मीदवार घोषित करने के दौरान उन पर दर्ज आपराधिक मामलों की जानकारी भी सार्वजनिक करें। अगर कोई दल इन निर्देशों का पूरी तरह पालन नहीं करता है, तो चुनाव आयोग को निश्चित रूप से उस पर कड़ा संज्ञान लेना चाहिए।

यह रपट ऐसे समय पर आई है, जब हाल ही में केंद्र सरकार ने संसद में संविधान संशोधन विधेयक पेश किया है, जिसमें गंभीर आपराधिक आरोपों में गिरफ्तारी के बाद तीस दिन तक हिरासत में रहने पर प्रधानमंत्री सहित मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को पद से हटाने का प्रावधान है। अगर इस विधेयक को रपट के आंकड़ों की नजर से देखा जाए तो केंद्र सरकार की ओर से यह अहम पहल है। मगर इस पहलू पर गौर करना भी जरूरी है कि नीति और नीयत दोनों साफ-सुथरी, निष्पक्ष और पारदर्शी होनी चाहिए, तभी व्यवस्था में सुधार की उम्मीद की जा सकती है। कानून बनाने के साथ-साथ उसे प्रभावी तरीके से लागू करना भी जरूरी है, ताकि समस्याओं को जड़ से उखाड़ा जा सके।

बारिश, भूस्खलन और बर्बादी, पहाड़ों में कुदरत का गुस्सा जिम्मेदार कौन; क्या इंसान ने खुद बुला ली आफत?

उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में हर वर्ष बरसात के दिनों में तबाही देखने को मिलती हैं। भूस्खलन, बादल फटना और हिमनदों के पिघलने का सिलसिला लगातार जारी है। यह शायद पहली बार है कि राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण इस बात का अध्ययन करेगा कि दोनों प्रदेशों में इस तरह की घटनाएं क्यों लगातार बढ़ रही हैं? यह इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि जलप्रलय की इन घटनाओं ने आधुनिक विकास के मॉडल पर फिर एक बार सवाल खड़े कर दिए हैं।

अचानक बाढ़ या भूस्खलन कुछ ही मिनटों में ऐसी तबाही मचाते हैं कि बड़े पैमाने पर ढांचागत संपत्तियों और जान-माल का नुकसान हो जाता है। उत्तराखंड के धराली में पिछले दिनों ऐसी ही त्रासदी देखने को मिली थी। किसी को समझ में नहीं आया कि कैसे इस खौफनाक मंजर से खुद को बचाया जाए। अब यह भी कहा जा रहा है कि धराली की घटना बादल फटने से नहीं, बल्कि नदी के स्वभाविक जल प्रवाह में बाधाएं खड़ी करने की वजह से हुई थी। जो भी हो, मगर एक बड़ा सवाल यह खड़ा हो गया है कि क्या विकास के लिए प्रकृति से छेड़छाड़ की जा रही है? एक बात स्पष्ट है कि नदियों, झीलों और सरोवरों के किनारे अतिक्रमण करना आपदाओं को न्योता देने के समान है।

वैज्ञानिकों के मुताबिक, इस तरह की प्राकृतिक आपदाओं की मूल वजह वनों की कटाई, नदी के मार्ग में अतिक्रमण तथा बंजर भूमि और पर्वतों का कटान है। जलवायु परिवर्तन के कारण किस तरह की आपदाएं आ सकती हैं, इसे हाल की घटनाओं से समझा जा सकता

है। सर्वोच्च न्यायालय ने वर्ष 1991 में निर्देश दिया था कि लोगों को खासकर नई पीढ़ी को पर्यावरण के प्रति जागरूक बनाने के लिए राज्य सरकारों को शिक्षा संस्थानों के पाठ्यक्रम में नया विषय जोड़ना चाहिए।

हालांकि, पाठ्यपुस्तकों में पर्यावरण का विषय जोड़ा गया, लेकिन इससे समाज में पर्यावरण के प्रति कितनी जागरूकता बढ़ी, यह कहना मुश्किल है। गौरतलब है कि शीर्ष अदालत ने पर्यावरण की रक्षा के लिए राज्य सरकारों को स्पष्ट निर्देश दिया था कि जन जागरण के जरिए लोगों में नई चेतना जगाई जाए। लेकिन जब इन निर्देशों से राज्य सरकारें ही नहीं जगीं, तो फिर जनता को जगाने की बात ही बेमानी है।

जानकारों का मानना है कि बढ़ते शहरीकरण से पर्यावरण को ज्यादा खतरा है। जाहिर है, भारत सहित दुनिया के तमाम देशों में औद्योगीकरण बढ़ रहा है। नदियों के स्वाभाविक रास्ते को अवरुद्ध कर वहां ढांचागत निर्माण किए जा रहे हैं। गांव और जंगल उजड़ रहे हैं। लोग रोजगार एवं सुख-सुविधाओं की तलाश में गांव छोड़ कर शहर आ रहे हैं। लेकिन जो नई बस्तियां बसाई जा रही हैं, वहां न तो पर्यावरण के मानकों का पालन हो रहा है और न ही वहां के लोगों को यह बताया जा रहा है कि वे किस तरह से पर्यावरण की रक्षा करने में सहयोगी बन सकते हैं।

सारी व्यवस्था एक तरफ और पर्यावरण की हिफाजत का सवाल दूसरी तरफ। ऐसे में पर्यावरण की रक्षा कैसे हो, यह सवाल और गंभीर हो गया है। इतना जरूर हो रहा है कि पर्यावरण संरक्षण के नाम पर अरबों रुपए बहाए जा रहे हैं। इससे कुछ लोग अपने निजी स्वार्थों की पूर्ति में लगे हुए हैं और पर्यावरण की स्थिति लगातार बिगड़ रही है। जो संस्थाएं या पर्यावरणवादी पर्यावरण संरक्षण की बात कर रहे हैं, उन्हें विकास विरोधी बता कर हताश किया जा रहा है।

देखा जाए तो विकसित देश पर्यावरण को सबसे अधिक नुकसान पहुंचा रहे हैं। उन्हें इस बात की चिंता नहीं है कि आने वाली पीढ़ियों के लिए धरती के संसाधनों का बेतहाशा दोहन बहुत बड़ा खतरा बन सकता है। इसलिए वे विकास के उस माडल के पैरोकार बने हुए हैं, जो पर्यावरण के साथ-साथ संस्कृति, धर्म और मानवता के लिए नुकसानदेह साबित हो रहा है। विकसित देशों की बहुराष्ट्रीय कंपनियां पूरे समाज को एक बाजार में तब्दील करती जा रही हैं।

इसका असर यह हो रहा है कि ज्यादातर लोग धरती की हिफाजत के बजाय, उसको उजाड़ने में लगे हैं। इंसान से लेकर संस्कृति, पर्व और चिकित्सा यानी सब कुछ एक बाजार में तबदील हो चुका है। समाज का हर छोटा-बड़ा तबका इस कथित विकास की दौड़ में शामिल हो चुका है, मगर किसी का पर्यावरण की रक्षा की तरफ ध्यान नहीं है। जो पर्यावरण की तरफ अपना ध्यान केंद्रित करते हैं, उन्हें विकास विरोधी या गरीब विरोधी बता कर हाशिये पर धकेलने की मुहिम चलाई जा रही है। ऐसे में सोचा जा सकता है कि आने वाला वक्त कितना चुनौतीपूर्ण होगा? वर्तमान में पर्यावरणीय मापदंडों और विकास के मानकों को संतुलित करने की बहुत जरूरत है। बिना संतुलन बनाए और इस दिशा में जनजागृति फैलाए, न तो हम आने वाले तमाम खतरों से बच पाएंगे और न ही निरापद विकास कर पाएंगे। दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान में अधिक धूम्रपान से ऐसे लोग भी श्वास और आंख की बीमारियों का शिकार हो रहे हैं, जो इस लत से दूर हैं।

धूम्रपान अनपढ़ या कम पढ़े-लिखे ही नहीं कर रहे, बल्कि पढ़े-लिखे लोग भी इस लत के आदी हैं। पर्यावरणीय जागरूकता का यह हाल है। जो लोग इस दिशा में कुछ सार्थक कार्य जैसे जागरूकता और शिक्षण कर रहे हैं, उन्हें प्रोत्साहन देने के बजाय हतोत्साहित किया जाता है। इसलिए यह समस्या दिनोंदिन गंभीर होती जा रही है।

सरकार वर्षों से पर्यावरण सुधार की दिशा में संयुक्त राष्ट्र के साथ मिल कर कई स्तरों पर कार्य कर रही है। अरबों रुपए अब तक इस मद में खर्च किए जा चुके हैं, लेकिन जन सहयोग न मिलने और पैसे का दुरुपयोग होने के कारण इस दिशा में ऐसा कुछ भी हासिल नहीं हो सका है, जिससे सुरक्षित जीवन को लेकर भरोसा कायम हो सके।

भारत सहित पूरी दुनिया में विकास के नाम पर विस्थापन, उजाड़ और पर्यावरण विध्वंस का दौर चल रहा है। जो इस दौर में शामिल हैं, वे 'बुद्धिमान' और 'चतुर' माने जा रहे हैं और जो इस विनाश लीला का विरोध कर आंदोलन के जरिए लोगों को जागरूक करना चाहते हैं, उन्हें विकास विरोधी घोषित कर उनकी पहल पर ही सवाल उठाया जा रहा है। मतलब एक तरफ बाजारवादी शक्तियां हैं, जिनके पास अकूत धन है।

वे पर्यावरण का विनाश करने में लगीं हैं। दूसरी ओर कुदरत की हिफाजत करने वाले लोग भी हैं, जो इस विनाश को रोकने की कोशिश में लगे हैं। देखना यह है कि विनाशकारी जीतता है या विनाश को रोकने वाला। यदि आपदाओं से सबक लेकर अतिक्रमण और वनों के कटान जैसी कवायदों को बंद कर दिया जाए, तो जलवायु परिवर्तन के प्रकोप से धीरे-धीरे निजात मिल सकती है।

इंसान को महत्त्वाकांक्षी होना चाहिए या नहीं? जानिए हमारे जीवन के लिए क्या है जरूरी

महत्त्वाकांक्षा के सकारात्मक पहलू भी होते हैं। एक मनोवैज्ञानिक इंजन, जो व्यक्तियों को जीवित रहने के दायरे से परे सृजन, विघटन और परिवर्तन के क्षेत्र में ले जाता है। महत्त्वाकांक्षा यथास्थिति को स्वीकार करने से इनकार करना है और व्यक्तिगत व सामाजिक सीमाओं को बढ़ाने का आंतरिक दबाव है। यह जोखिम लेने, दृढ़ता और इस जिद्दी विश्वास के लिए उत्प्रेरक के रूप में उद्यमशीलता को रेखांकित करती है कि एक बेहतर तरीका न केवल संभव है, बल्कि आवश्यक भी है। इसके बिना नवाचार रुक जाता है।

विज्ञान से लेकर कला और राजनीति तक सभी क्षेत्रों में इतिहास की सफलताएं शायद ही कभी आत्मसंतुष्टि का परिणाम हैं- वे बेचैन, महत्त्वाकांक्षी दिमागों के अवशेष हैं। महत्त्वाकांक्षी लोगों के बारे में कई बार नकारात्मक धारणाएं फैलाई जाती हैं, लेकिन दुनिया काफी हद तक महत्त्वाकांक्षी लोगों का उत्पाद है। इसे वे लोग आकार देते हैं जो शांत नहीं बैठ सकते। वे लोग भी, जो विरासत में मिली सीमाओं से संतुष्ट नहीं थे और अपने विचारों पर काम करने के लिए खुद को बाध्य महसूस करते थे, चाहे वे कितने भी कठिन या अलोकप्रिय क्यों न हों।

प्रगति कभी भी समान रूप से वितरित नहीं हुई है। यह उन व्यक्तियों और समूहों द्वारा संचालित की गई है जो अपनी छाप छोड़ने की अत्यधिक इच्छा रखते हैं। महत्त्वाकांक्षा असंतोष को गति में और कल्पना को बुनियादी ढांचे में बदल देती है। यह न केवल यह बताती है कि कौन नेतृत्व या आविष्कार करने के लिए उठता है, बल्कि यह भी बताती है कि सभ्यताएं क्यों फैलती हैं, प्रौद्योगिकियां आगे बढ़ती हैं और संस्कृतियां विकसित होती हैं।

एक विद्वान ने कहा है, 'महत्त्वाकांक्षा के बगैर बुद्धिमत्ता पंखों के बिना पक्षी के समान है।' यह महत्त्वाकांक्षा का एक उजला पक्ष हो सकता है, लेकिन तब तक, जब वह संयमित और नियंत्रित हो। बहुत अधिक होने पर महत्त्वाकांक्षा जुनून में बदल सकती है। विनम्रता, सहयोग और यहां तक कि नैतिक निर्णयों को भी पीछे छोड़ सकती है।

जब महत्त्वाकांक्षा असीमित हो जाती है, तो यह व्यक्ति की सेवा करना बंद कर देती है और त्याग की मांग करने लगती है- रिश्तों, मूल्यों और दीर्घकालिक कल्याण की। यह आत्म-धारणा को विकृत कर सकती है और खुद को शून्य-योग प्रतियोगिता में अकेले नायक के रूप में देखने के लिए प्रोत्साहित करती है। अनियंत्रित महत्त्वाकांक्षा अक्सर लालच में बदल जाती है। न केवल सफल होने की, बल्कि हावी होने की एक अतृप्त भूख।

लालच एक उत्तेजक मंत्र तो हो सकता है, लेकिन अंधाधुंध रूप से लागू होने पर इसे एक खतरनाक दर्शन में बदलते देर नहीं लगती। लालच सामाजिक अनुबंधों को नष्ट कर देता है और शोषण को उचित ठहराता है, अनैतिक संक्षिप्त रास्तों को सहन करता है, लोगों को लक्ष्य प्राप्ति के साधन के रूप में देखता है। बेलगाम महत्त्वाकांक्षा अर्श से फर्श पर ला सकती है।

स्वस्थ महत्त्वाकांक्षा उद्देश्य पर आधारित होती है, आत्म-जागरूकता से संतुलित होती है और सामूहिक सफलता के प्रति प्रतिबद्धता से जुड़ी होती है। यह सभी को ऊपर उठाती है, न कि केवल सबसे तेज गति से ऊपर चढ़ने वाले को। जब 'आगे बढ़ने' की इच्छा 'मिलकर चलने' की प्रवृत्ति से अधिक हो जाती है, तो महत्त्वाकांक्षा सामाजिक सामंजस्य को मटियामेट कर सकती है।

जैसे-जैसे महत्त्वाकांक्षा बढ़ती है, वैसे-वैसे श्रेष्ठता और दूसरों के प्रति उपेक्षा की भावना भी बढ़ती है। इसमें हेरफेर, बदमाशी, सयानेपन या आलोचना को स्वीकार करने से इनकार करने जैसे विषाक्त व्यवहार हो सकते हैं। जब महत्त्वाकांक्षा असामाजिक लक्षणों के साथ जुड़ जाती है, तो यह एक गुण नहीं रह जाती और एक दायित्व बन जाती है- व्यक्ति और उस प्रणाली दोनों के लिए, जिसका वे हिस्सा हैं।

महत्त्वाकांक्षा अक्सर समझौते की मांग करती है, लेकिन जब वे समझौते बलिदान बन जाते हैं, तो परिणाम गंभीर हो सकते हैं। तीव्र व्यावसायिक लक्ष्यों से प्रेरित लोग परिवार, दोस्तों और आत्म-देखभाल की उपेक्षा कर सकते हैं, यह मानते हुए कि सफलता लागतों को उचित ठहराती है। समय के साथ उपेक्षा बढ़ती जाती है, रिश्ते खराब होते हैं, स्वास्थ्य बिगड़ता है, बड़ी उपलब्धियों के बाद भी खालीपन की भावना पैदा हो सकती है।

आमतौर पर बेलगाम महत्त्वाकांक्षाओं को सतही माना जाता है, क्योंकि यह हमेशा परिणाम की तलाश में रहती है और कभी पीछे मुड़कर नहीं देखती। यह याद रखना जरूरी है कि कभी-कभी पर्याप्त लक्ष्य रखना सबसे बुद्धिमानी और सबसे टिकाऊ रणनीति होती है। हम भूल जाते हैं कि महत्त्वाकांक्षा स्वाभाविक रूप से श्रेष्ठ नहीं होती, यह केवल पहले से मौजूद चीजों को बढ़ाती है।

सही हाथों में यह नवाचार, सेवा और प्रगति को उत्प्रेरित करती है।

इसमें कोई दोराय नहीं कि यह किसी व्यक्ति के भीतर की क्षमताओं में उभार लाकर उसे अपने सामान्य और यथास्थिति का शिकार हो गए जीवन में कोई नया मुकाम बनाने को प्रेरित कर सकता है, लेकिन यह तभी तक संभव है, जब तक अपनी इस आकांक्षा को मानवीय और संवेदनशीलता की कसौटी पर कसते हुए अपनी उन्नति की राह पर आगे बढ़ाया जाए। यह भले लोगों के लिए बहुत मुश्किल नहीं है।

मगर गलत लोगों में यह अहंकार, शोषण और आखिरकार पतन को बढ़ावा देती है। भविष्य उन लोगों का नहीं होगा जो सबसे तेज चढ़ते हैं, बल्कि उनका होगा जो उद्देश्य के साथ चढ़ते हैं और दूसरों को अपने साथ लाते हैं। हेनरी वड्र्सवर्थ के शब्दों में, 'अधिकांश लोग छोटी-छोटी चीजों में भी सफल हो जाते, अगर वे बड़ी महत्त्वाकांक्षाओं से ग्रसित न होते।'

पंचग्रास में समाहित है संपूर्ण चराचर जगत का कल्याण

पूर्वजों के पुण्य स्मरण की परंपरा भले ही हमारे यहां श्राद्ध पक्ष के सोलह श्राद्धों के माध्यम से आदि काल से चली आ रही हो पर दुनिया के लगभग सभी धर्मावलंबियों और देशों में किसी ना किसी रुप में पूर्वजों के पुण्यस्मरण की परंपरा अनवरत काल से चली आ रही है। हालांकि हमारे देश के ही कुछ प्रतिक्रियावादी लोग श्राद्ध और श्राद्ध कर्म को लेकर मखौल उड़ाने में किसी तरह की कोई कमी नहीं छोड़ते पर वह यह भूल जाते हैं कि धरती के साक्षात् देवता हमारे जन्मदाता माता-पिता है। यह साफ हो जाना चाहिए कि माता-पिता के अस्तित्व को लेकर कोई किसी तरह का प्रश्न चिन्ह नहीं उठा सकता। उनके अस्तित्व को नकारा नहीं जा सकता। माता-पिता की यह परंपरा पीढ़ी दर पीढ़ी चली आ रही है और पीढ़ी दर पीढ़ी उनके स्मरण का हमारा दायित्व हो जाता है। पितृपक्ष और मातृपक्ष दोनों ही पीढ़ियों के स्मरण और श्रद्धा या यों कहे कि श्राद्ध स्वरुप भोजन, वस्त्र, जल आदि आदि पत्र पुष्प के माध्यम से सम्मान स्वरुप स्मरण किया जाता है। श्राद्ध स्वरुप ब्राम्हणों को भोजन कराने और इसी तरह की अन्य व्यवस्थाओं के साथ जुड़ी पंच ग्रास की परंपरा को आलोचकों को ज्ञान ही नहीं होता। श्राद्ध निमित्त ब्राह्मण भोजन से पहले पंच ग्रास का विधान है। पंचग्रास के पीछे के रहस्य को समझना भी आवश्यक हो जाता है। पंचग्रास में गोग्रास, श्वान ग्रास, कोएं को ग्रास, चिंटी आदि को ग्रास और अभ्यागत ग्रास इस तरह से पंच ग्रास का विधान है। अब इसी से समझ सकते हैं कि इस पंच ग्रास में प्रकृति का कोई पक्ष शेष नहीं रह जाता है। गो ग्रास में पशुधन आ जाता है तो श्वान ग्रास में पशु, कोएं के ग्रास से पक्षिगण, चिंटी पतंगा के ग्रास से चिंटी आदि जीव और अंतिम अभ्यागत ग्रास में भिखारी आदि आ जाते हैं। ब्राह्मण भोजन को ढकोसला कह कर समझने वालों को श्राद्ध के मूल की सभी विधानों को समझना होगा। एक बात और साफ हो जानी चाहिए कि पंच ग्रास से अर्थ मात्र औपचारिकता से नहीं लिया जाना चाहिए।

हमारी शाश्वत परंपरा में प्रत्येक व्यक्ति पर तीन ऋण होते हैं और उनमें से पहला ऋण देव ऋण है तो दूसरा ऋषि ऋण और तीसरा ऋण पितृ ऋण है। प्रत्येक जन्म लेने वाले व्यक्ति को इन तीनों ऋणों से उऋण होने की शिक्षा दी जाती है तो यह उसका दायित्व भी हो जाता है। देव ऋण में सृष्टि के नियंता का स्मरण और उसके प्रति आभार प्रकट करना है। इसके लिए भजन-पूजन, स्मरण, सदाचरण आदि की बात है। जो अपने आप को नास्तिक कहते हैं और किसी शक्ति में विश्वास नहीं करते तो भी उन्हें प्रकृति पर तो विश्वास करना ही होगा। प्रकृति को विकृति से बचाना हमारी जिम्मेदारी होती है और प्रकृति व मानवमात्र के कल्याण की बात करना ही देव ऋण से उऋण होने का एक तरीका है। इसी तरह से हमको शिक्षा प्रदान करने वाले गुरु परंपरा का मान सम्मान और ज्ञान की इस परंपरा को अगली पीढ़ी तक पहुंचाना ही गुरु ऋण से उऋण होने का एक तरीका हो सकता है। जहां तक पितृ ऋण से उऋण होने का प्रश्न है तो इससे उऋण होने का भी आसान रास्ता बताया गया है और वह बच्चे होते ही पूरी होना शुरु हो जाती है और इन बच्चों की शिक्षा और संस्कारित करना और शादी विवाह आदि जिम्मेदारियों का निर्वहन तो आता ही है। यही कारण है कि पौत्र-प्रपौत्र या नाती-नातियों को देखना और पौत्र होने पर सोने की सीढ़ी चढ़ना आदि इसी और इषारा करता है कि हमारे कुल परंपरा में पूर्वजों के श्राद्ध यानी स्मरण करने वाली पीढ़ी हो गई है। कभी मृत्यु के बाद बारह दिन के संस्कारों को देखने का अवसर मिले या फिर बारहवें दिन की सपीण्डी क्रिया देखने को मिले तो कई बातें साफ हो जाती है। सपीण्डी में तीन पितृ पक्ष और तीन मातृ पक्ष के पूर्वजों के स्मरण, पूजा आदि के बाद जब सभी को एकाकार कर दिया जाता है तो उसे सपीण्डी कहा जाता है। हमारी परंपरा यहां तक ही सीमित नहीं रहती। विधान तो यहां तक है कि किसी भी यजन कार्य में पितृ पूजा अवश्य होती है और दोनों ही पक्षों की तीन-तीन पीढ़ी यहां तक कि विवाह संस्कार में भी तीन तीन पीढ़ियों का पुण्य स्मरण किया जाता है।

हमारी शाश्वत परंपरा में व महाभारत व अन्य पौराणिक ग्रन्थों में उल्लेख आता है कि महर्षि अत्रि ने सबसे पहले निमि को श्राद्ध का उपदेश दिया और महर्षि निमि ने सबसे पहले अपने पूर्वजों के निमित्त श्राद्ध कर्म किया। श्राद्ध कर्म में अग्नि को भी खास महत्व दिया गया है और यह माना जाता है कि अग्नि देव के माध्यम से श्राद्ध पूर्वजों को अर्पित किया जाता है। हमारे यहां पूर्वजों के स्मरण या श्राद्ध के खासतौर से दो अवसर होते हैं। पहला अवसर तो जिस दिन दाग तिथि यानि अंतिम संस्कार या यों कहें कि देहावसान की तिथि को प्रतिवर्ष श्राद्ध का विधान है तो दूसरा महालय श्राद्ध यानि की कन्यागत सूर्य के समय के पन्द्रह दिवस। भाद्रपद मास की पूर्णिमा से लेकर आश्विन कृष्ण पक्ष की अमावस्या के कुल सोलह दिन सोलह श्राद्ध के दिन होते हैं। स्वर्गागमन किसी भी पक्ष में हो पर कन्यागत श्राद्ध जिसे हम बोलचाल की भाषा में कनागत कहते है उन सोलह दिनों की तिथि के अनुसार श्राद्ध निकाला जाता है। जैसे पूर्णिमा को पूर्णिमा तो प्रतिपदा का प्रतिपदा को और इसी तरह से संबंधित तिथि को। यहां एक बात और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। शास्त्राचार व लोकाचार में एक बात पर अवश्य जोर दिया गया है कि हमारे पूर्वज श्राद्ध के दिन पुत्री पक्ष की उपस्थिति से अधिक प्रसन्न होते हैं। इसमें श्राद्ध भोजन कि निमित्त या अवसर पर दोयते-दोयती, भांजें-भांजी को भोजन कराना अत्यधिक फलदायक बताया गया है। परिवार की पुत्रियों का इस अवसर पर स्वागत और भी अधिक प्रसंसनीय हो जाता है। स्वागत का अर्थ उनकी उपस्थिति से हो जाता है। पुत्रि पक्ष में बहन, बुआ, बेटियां आदि आ जाती है। अब इसे सामाजिक और वैज्ञानिक तरीके से भी समझने का प्रयास करें तो श्राद्ध कर्म परिवार के जुड़ाव और कुल-कुटुंब में प्रेमाचार-भाईचारा बढ़ाने का अवसर है। इससे हमारे पितृगण प्रसन्न होते हैं। अब इसी से समझा जा सकता है कि श्राद्ध के माध्यम से परिवार को एकजुट होने, एक दूसरे से मिलने-मिलाने और प्रेम और स्नेह को बढ़ाने का अवसर मिल जाता है। यह सब में इसलिए लिख रहा हूं कि श्राद्ध के विधान को लेकर तो मर्मज्ञ विस्तार से चर्चा कर ही लेते हैं। यह भी सब जानते हैं कि श्राद्ध को जहां तक संभव हो विसम संख्या में भोजन कराना चाहिए। योग्यता एक अन्य शर्त कही जा सकती है तो शुद्धता भी आवश्यक होती है। इस सबके साथ ही विधान की लंबी फेहरिस्त हो जाती है और धर्म के आलोचक उसको लेकर टीका-टिप्पणी करते ही रहते है। पर श्राद्ध कर्म से दो बातें साफ हो जानी चाहिए कि यह केवल और केवल हमारे यहां ही होता हो तो ऐसा है नहीं चीन में छिंग-मिंग, जापान में ओबोन, फ्रांस में ला टेसेंट, योरापीय देषों में आल सेंट्स डे, बौद्धों में घोस्ट फेस्टिवल आदि पूर्वजों के स्मरण और पूजन आदि के अवसर है।

इसलिए यह साफ हो जाना चाहिए कि श्राद्ध, श्राद्ध पक्ष और श्राद्ध कर्म के पीछे हमारे पूर्वजों की गहन सोच है। यह मात्र औपचारिकता या ब्राह्मण भोजन तक सीमित नहीं है तो भोजन कराने से पूर्वजों तक भोजन पहुंचने को लेकर मजाक उड़ाने वालों को बहुत कुछ समझने और उसके मूल को समझना होगा। यदि यह ढ़कोसला होता तो चीन में छिंग-मिंग, जापान में ओबोन, बौद्ध देशों में घूस्ट फेस्टिवल या योरोपीय देशों में टेसेंट या आल सेंट्स डे आदि नहीं होते। इन सबसे भी इतर हमें हमारे जन्मदाताओं के प्रति कृतज्ञता तो व्यक्त करना हमारा दायित्व हो जाता है

समाधान दिवस-सदर : जन समस्याओं के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता क्षम्य नहीं

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को समाधान दिवस में आयी शिकायतों को गुणवत्तापूर्वक एवं समयबद्धता के साथ निस्तारित करने के दिए निर्देश

समाधान दिवस में कुल 169 प्रकरण सुनवाई के लिए आयें, 43 प्रकरणों का मौके पर किया गया निस्तारण

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में सोमवार को तहसील सदर में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी ने सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर जनसमस्याओं को सुनते हुए राजस्व, पुलिस, स्वास्थ्य एवं अन्य सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को प्रकरण की जमीनी स्तर पर जांच कर शिकायतों को गुणवत्तापूर्वक एवं समयबद्धता के साथ निस्तारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनशिकायतों का निस्तारण शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता वाले बिंदुओं में से एक है, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता क्षम्य नहीं होगी। उन्होंने सभी सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रार्थनापत्रों की समयबद्ध जांच, उसपर प्रभावी कार्रवाई एवं समस्याओं का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण ढंग से सुनिश्चित किया जाये। शिकायतों के निस्तारण एवं गुणवत्ता में यदि किसी भी प्रकार की लापरवाही पायी गयी, तो सम्बंधित अधिकारी के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने कहा कि यदि शिकायत सड़क बनाने या अन्य मांग श्रेणी की हो, तो सम्बंधित अधिकारी प्रकरण पर उचित कार्रवाई करते हुए उसे अपनी कार्ययोजना में सम्मिलित करें। साथ ही साथ उन्होंने यह भी निर्देशित किया है कि शिकायतकर्ता से फीडबैक भी लिया जाये और शिकायतों के निस्तारण से शिकायतकर्ता संतुष्ट भी होना चाहिए। जिलाधिकारी ने समाधान दिवस में आयें हुए वरासत, अवैध कब्जा व अन्य शिकायतों का शीघ्रता से निस्तारण किए जाने का निर्देश दिया है। जिलाधिकारी ने प्रार्थनापत्रों की अलग-अलग सूची बनाकर सम्बंधित को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए है। जिलाधिकारी ने चकमार्गो को अवैध कब्जों से मुक्त कराने के लिए कहा है।

समाधान दिवस में शिकायतकर्ता मिन्नतुल्ला निवासी 227 हरवारा सदर के द्वारा अपने शिकायती प्रार्थनापत्र में धारा-32/38 भू-राजस्व संहिता से सम्बंधित पत्रावली को काफी दिनो से लम्बित रखने एवं उसपर लेखपाल के द्वारा

रिपोर्ट न लगाये जाने की शिकायत पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए जिलाधिकारी ने सम्बंधित लेखपाल-महेन्द्र प्रताप सिंह के विरूद्ध प्रतिकूल प्रविष्टि दिए जाने एवं प्रकरण का तत्काल निस्तारण करने का निर्देश उपजिलाधिकारी सदर को दिया, जिसपर उपजिलाधिकारी सदर के द्वारा प्रकरण पर तत्काल कार्रवाई करते हुए प्रकरण का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। इसी तरह से जिलाधिकारी ने वरासत से सम्बंधित प्रकरणों पर लापरवाही एवं उदासीनता बरतने पर लेखपाल महेश मिश्रा को भी प्रतिकूल प्रविष्टि दिए जाने का निर्देश दिया है।

श्रीमती बबीता देवी पत्नी स्व0 सुरेन्द्र कुमार निवासी 13, स्टैनली रोड, प्रयागराज ने उनकी आराजी सं0-569 एवं 570 के जुजभाग मौजा उमरपुर नींवा, परगना व तहसील सदर पर भू-माफिया चन्द्रशेखर सिंह व उनके लड़के द्वारा जबरन कब्जा करने की शिकायत की, जिसपर जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी सदर एवं एसीपी को उक्त प्रकरण की संयुक्त जांच कर प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है। प्रार्थी विनय कुमार तिवारी निवासी बसही कोटहा थाना करछना के द्वारा वरासत लाइसेंस हेतु लम्बित आवेदन पत्र के सम्बंध में कार्रवाई किए जाने हेतु प्रार्थना पत्र दिए जाने पर जिलाधिकारी ने अपर जिलाधिकारी (नगर) को नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही करने का निर्देश दिया है।

सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर कुल 169 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें से 43 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। जिलाधिकारी ने शेष शिकायतों के निस्तारण हेतु सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को शिकायतों को आज ही प्राप्त करते हुए उनको निर्धारित समयसीमा के अन्तर्गत गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारण के निर्देश दिए है। जिलाधिकारी ने सभी सम्बंधित अधिकारियों को हिदायत देते हुए कहा है कि शिकायतों का निस्तारण अनिवार्य रूप से निर्धारित समयसीमा के अन्तर्गत हो जाना चाहिए।

समाधान दिवस के पूर्व जिलाधिकारी ने तहसील सदर में विभिन्न विभागों के द्वारा लगाये गये योजनाओं के स्टॉलों का अवलोकन कर योजनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त करते हुए ज्यादा से ज्यादा पात्र लोगो को योजनाओं के बारे में जानकारी देते हुए उन्हें योजना से लाभान्वित कराये जाने के लिए कहा है। इस अवसर पर ज्वाइंट मजिस्टेड्रट अनिमेष वर्मा, उपजिलाधिकारी सदर अभिषेक सिंह, तहसीलदार सदर सहित अन्य सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

फिर लाल निशान के करीब गंगा-यमुना

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। जनपद में गंगा-यमुना का जलस्तर खतरे के निशान (84.73 मीटर) के करीब पहुंच रहा है। फाफामऊ में गंगा का जलस्तर सोमवार शाम चार बजे 84 मीटर के ऊपर पहुंच गया। नैनी में यमुना भी 84 मीटर के करीब हैं। मंगलवार को गंगा-यमुना का जलस्तर खतरे का निशान (84.73 मीटर) पार कर सकता है। अब गंगा-यमुना का जलस्तर 85 मीटर तक पहुंचने का अनुमान लगाया जा रहा है। गंगा में लगातार पानी बढ़ने से इसके किनारे शहरी और ग्रामीण इलाकों में खलबली मच गई है। यमुना की सहायक ससुर खदेरी नदी किनारे मोहल्लों में भी पानी पहुंचने लगा है।

कानपुर बैराज से लगातार छोड़ा जा रहा लाखों क्यूसेक पानी प्रयागराज के लिए मुसीबत बन गया है। बैराज से सोमवार को 4.33 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। गत दिवस 4.16 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया था। यमुना में भी लगातार पानी आ रहा है। एकदिन पहले औरैया और चिल्लाघाट में यमुना का जलस्तर घट रहा था। दोनों केंद्रों पर जलस्तर फिर बढ़ने लगा है। इसके अलावा मथुरा और आगरा का पानी भी प्रयागराज आएगा। गंगा का जलस्तर 84 मीटर पार करने के पहले शहर के कछार मऊ, मऊ सरैया, बघाडा जहरूद्दीन, बघाडा बालन, मेंहदौरी कछार, शिवकुटी, नेवादा, बेली, सलोरी, करेलाबाग, करेली के मोहल्ले बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। वहीं फूलपुर तहसील के बदरा, सोनौटी, धोकरी, सोलीलापुर

और करछना तहसील के देहली, भगेसर तक बाढ़ का पानी पहुंच चुका है। शहर चार बाढ़ राहत शिविरों में शाम चार बजे तक 242 परिवारों ने शरण ली है। शहर में अबतक 10 हजार से अधिक परिवार बाढ़ की चपेट में आ चुके हैं। गंगा किनारे मोहल्लों में अब नालों के सहारे बाढ़ का पानी प्रवेश कर रहा है। सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता दिग्विजय नारायण शुक्ला ने बताया कि गंगा-यमुना का जलस्तर धीमी गति से बढ़ता रहेगा। अधिशसी अभियंता के मुताबिक टोंस का जलस्तर बढ़ने से भी छतनाग के आगे गंगा का प्रवाह प्रभावित हो रहा है। प्रयागराज में सोमवार शाम गंगा-यमुना का जलस्तर फाफामऊ गंगा 84.01 मीटर छतनाग गंगा 83.25 मीटर नैनी यमुना 83.81 मीटर।

उच्च न्यायालय में दो और अधिवक्ताओं ने ली न्यायमूर्तियों पद की शपथ

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय में सोमवार को मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अरुण भंसाली ने अधिवक्ता अमिताभ कुमार राय और अधिवक्ता राजीव लोचन शुक्ला को न्यायमूर्ति पद की शपथ दिलाई। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अरुण भंसाली ने अपने न्याय कक्ष में दोनों न्यायाधीशों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह के चलते उच्च न्यायालय में न्यायिक कार्य 10.45 बजे शुरू हो सका। न्यायमूर्ति अमिताभ कुमार राय और न्यायमूर्ति राजीव लोचन शुक्ला के शपथ लेने के साथ ही उच्च न्यायालय की प्रधान पीठ में मुख्य न्यायाधीश को छोड़कर यहां न्यायाधीशों की कुल संख्या 86 हो गई है।

वहीं उच्च न्यायालय में कुल 160 पद स्वीकृत हैं, जिसमें अभी भी 74 पद रिक्त हैं। हाल में ही सुप्रीम कोर्ट ने कुल 26 और नामों की संस्तुति इलाहाबाद उच्च न्यायालय में

न्यायमूर्ति के रूप में की है। अगर भविष्य में सभी पदों पर नियुक्ति हो जाती है तो एशिया के सबसे बड़े उच्च न्यायालय इलाहाबाद में न्यायाधीशों की संख्या 112 हो जाएगी। आज शपथ लेने वाले न्यायाधीशों में न्यायमूर्ति राजीव लोचन शुक्ला के बाबा महेश नारायण शुक्ला उच्च न्यायालय में 1983 से 1985 तक मुख्य न्यायाधीश रहे हैं। न्यायमूर्ति राजीव लोचन शुक्ला वर्ष 2002 से निरंतर वकालत में हैं।न्यायमूर्ति राजीव लोचन शुक्ला की ख्याति आपराधिक और सिविल मामलों के अच्छे अधिवक्ता के रूप में रही है। वहीं न्यायमूर्ति अमिताभ कुमार राय प्रधान पीठ की लखनउ पीठ में वकालत कर रहे थे। जहां उन्होंने न्यायमूर्ति के रूप में सोमवार को शपथ ली है। इस मौके पर वरिष्ठ न्यायमूर्ति मनोज कुमार गुप्ता, न्यायमूर्ति महेश चंद्र त्रिपाठी, न्यायमूर्ति डा गौतम चौधरी, न्यायमूर्ति डा शेखर कुमार यादव, न्यायमूर्ति कृष्ण पहल, न्यायमूर्ति क्षितिज शैलेन्द्र समेत तमाम न्यायिक अधिकारी और अधिवक्तागण शामिल रहे।

उप्र जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ ने नवनियुक्त एडी बेसिक का स्वागत किया

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ प्रयागराज के पदाधिकारियों ने प्रयागराज मंडल के नवनियुक्त एडी बेसिक संजय कुमार कुशवाहा का स्वागत अभिनन्दन किया। जिलाध्यक्ष विनोद कुमार पांडेय व महामंत्री राजेंद्र अनुरागी के नेतृत्व में माल्यार्पण कर और पुष्प गुच्छ देकर स्वागत अभिनन्दन किया। ध्यातव्य है कि वह इसके पूर्व यहां जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के पद पर भी कार्य कर चुके हैं।एडी बेसिक ने कहा कि सभी शिक्षकों के सहयोग से शासन की नीतियों का क्रियान्वयन किया जायेगा।सभी शिक्षक लगन व निष्ठा से अपने दायित्वों का निर्वहन करें।इस अवसर पर जिला कोषाध्यक्ष विजय कुमार सिंह पटेल, भारतेन्द्र त्रिपाठी, दुर्गा जायसवाल, निशा शुक्ला, कुलदीप सिंह, जया शर्मा, पुनीता मिश्रा, रंजना द्विवेदी, जयशंकर दूबे, योगेश सिंह, मुकेश कुमार श्रीवास्तव, मनोरमा मिश्रा, इंद्रेश कुमार तिवारी, संतोष कुमार जायसवाल, अनिल ओझा, महेश शुक्ल, दीपक श्रीवास्तव, राम जी संतोषी, सहित ब्लाकों व जिले के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

पीएम मोदी के जन्म दिन से शुरू होगा भाजपा का सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलेगा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का जीवन समाज एवं राष्ट्र के प्रति समर्पित : दिलीप सिंह पटेल

प्रयागराज। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलने वाले सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम को लेकर सोमवार को भाजपा की जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन सिविल लाइन स्थित पार्टी कार्यालय में किया गया। जिसमें सेवा पखवाड़ा के दौरान आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा पर चर्चा की गई। कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि भाजपा काशी क्षेत्र अध्यक्ष दिलीप पटेल ने कहा कि पीएम मोदी का जीवन राष्ट्र व समाज के प्रति समर्पित है इसलिए उनके जन्मदिन से संगठन के केंद्रीय व प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर जिला से लेकर बूथ स्तर पर सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। जिसके तहत 17 सितंबर को जिला स्तर पर पीएम मोदी के 75 वें जन्मदिन पर 75 यूनिट रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। उसी दिन बूथ स्तर पर स्वच्छता तथा स्वच्छता ही सेवा का संकल्प दिलाने का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा तथा पीएम मोदी का लाइव संबोधन भी सुना जाएगा। 17 से 24 सितंबर तक स्वास्थ्य शिविर लगाया जाएगा। 18 सितंबर से 2 अक्टूबर तक मंडल स्तर पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा एवं 18 सितंबर को प्रधानमंत्री के जीवन पर आधारित प्रदर्शनी लगाई जाएगी। प्रबुद्ध संवाद कार्यक्रम के तहत 19-20 सितंबर को विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत विषय पर गोष्ठी। पीएम मोदी पर डाक्यूमेंट्री फिल्म दिखाने के साथ पीएम मोदी पर आधारित पुस्तक का वितरण किया

जायेगा। 21 सितंबर को आत्म निर्भर भारत, फिट इंडिया, नशा मुक्त भारत का संदेश लेकर नमो मैराथन कार्यक्रम का आयोजन होगा। 25 सितंबर को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर आत्म निर्भर भारत एवं स्वदेशी विषय पर जिला गोष्ठी, प्रत्येक बूथ पर पुष्पांजलि, वृक्षारोपण कार्यक्रम के आयोजन के साथ कार्यकर्ता के यहां भोजन का कार्यक्रम भी होगा। 25 सितंबर से 2 अक्टूबर तक प्रशासन के सहयोग से स्वदेशी मेला का आयोजन होगा। 27-28 सितंबर को दिव्यांगजनों, विशिष्टजनों का सम्मान, उन्हें उपकरण भेंट करने के साथ धन्यवाद मोदी पोस्ट कराना कार्यक्रम आयोजित होगा। 2 अक्टूबर गांधी जयंती पर महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री के प्रतिमा/चित्र पर पुष्पांजलि, खादी वस्त्रों की खरीददारी व सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छता अभियान चलाया जायेगा। विकसित भारत चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। क्षेत्रीय अध्यक्ष दिलीप पटेल ने कहा कि पीएम मोदी का जीवन सेवा समर्पण से भरा जीवन है। सेवा पखवाड़ा एक माध्यम है जनता के बीच जाने का। कार्यकर्ताओं से अपील है कि सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम को सफल बनाने में मेहनत से लग जाएं। कार्यक्रम का संचालन महानगर महामंत्री कुंज बिहारी मिश्रा ने किया। स्वागत भाषण महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता ने किया। धन्यवाद ज्ञापन सेवा पखवाड़ा के संयोजक गौरव गुप्ता ने किया। इस अवसर पर भाजपा काशी क्षेत्र उपाध्यक्ष अवधेश चंद्र गुप्ता, महापौर गणेश केसरवानी, पूर्व सांसद रीता बहुगुणा जोशी, निवर्तमान अध्यक्ष महानगर राजेंद्र मिश्र, रणजीत सिंह, नीरज त्रिपाठी, मुरारी लाल अग्रवाल, रवि केसरवानी, कमलेश गौतम, रमेश पासी, शशि वार्ष्णेय, प्रमोद मोदी, राजू पाठक, राजेश केसरवानी पवन श्रीवास्तव विवेक मिश्रा राजेश गोंड, विजय श्रीवास्तव, दीप द्विवेदी, अरुण पटेल, आदि बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विकसित भारत बनाने के लिए सरकारी योजनाओं के प्रबंधन के पहले स्व-प्रबंधन करना जरूरी है

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। डॉ अब्दुल कलाम ने हम सभी को भारत 2020 का विजन दिया था, आज हम सभी का लक्ष्य भी स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने अर्थात 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है। इसके लिए हमें स्वयं विकसित होना बहुत जरूरी है, यहां विकसित होने से अर्थ है कि हमारे श्रेष्ठ लक्ष्य के अनुरूप ही हमारे लक्षण हों। आज हम सब कुछ कंट्रोल करना चाहते हैं और इस खींच-तान में सब कुछ हमारे कंट्रोल से बाहर होता चला जाता है और हम सदा तनाव में रहते हैं। वास्तव में मनुष्य केवल तीन चीजों को नियंत्रित कर सकता है पहला उसका दृष्टिकोण दूसरा उसके विचार और तीसरा उसके कर्म। यदि हम स्वयं को निमित्त और साक्षी मानकर अपने विचारों दृष्टिकोण और कर्म पर ध्यान दें तो प्रसन्न एवं शांत रहकर हम अपने सभी कार्यों का निर्वहन कर सकते हैं। लेकिन छोटी-छोटी बातों में घबराकर हम पुनः उन्ही पुराने संस्कारों के वश हो जाते हैं। इसके लिए हमें अपने अंदर दृढ़ता रखनी चाहिए और जो हमारा आत्म बल कम हो गया है, उसको बढ़ाने के लिए प्रतिदिन कुछ समय निकालकर परमात्मा जो सर्वशक्तिमान है उसके साथ अपने को कनेक्ट करना चाहिए।

उपरोक्त बातें जिलाधिकारी कार्यालय के संगम सभागार में आयोजित सेमिनार राजयोग द्वारा स्व प्रबंधन विषय पर बोलते हुए ब्रह्माकुमारीज के अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त काउंसलर प्रोफेसर ई वी गिरीश ने कही। सेमिनार में एडीएम संजीव कुमार शाक्य, एडीएम विनीता सिंह, सिटी मजिस्ट्रेट विनोद कुमार सिंह सहित राजस्व विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

इस अवसर पर ब्रह्माकुमारीज की क्षेत्रीय निदेशिका मनोरमा दीदी ने राजयोग का अभ्यास कराया एवं सभी को ब्रह्माकुमारीज के सेवा केंद्र पर आकर राजयोग सीखने के लिए आमंत्रित किया। इसके अतिरिक्त पतंजलि ऋषिकुलम स्कूल में प्रॉब्लम सॉल्विंग इन पीसफुल वे विषय पर प्रोफेसर ई वी गिरीश का सेमिनार आयोजित किया गया।

पुलिस उपायुक्त गंगानगर व सहायक पुलिस आयुक्त सोरांव द्वारा पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई कर फरियादियों की शिकायतें सुनी गई तथा निस्तारण हेतु सम्बंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए ।

महिला पतंजलि योग समिति द्वारा नए प्रशिक्षण प्राप्त महिलाओं के लिए दीक्षांत समारोह का आयोजन

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। महिला पतंजलि योग समिति प्रयागराज द्वारा आर्शीवाद गेस्ट हाउस नया कटरा में नए प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली महिलाओं के लिए दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया जिसमें प्रशिक्षण प्राप्त महिलाओं को सर्टिफिकेट वितरित किया गया कार्यक्रम में महिला पतंजलि योग समिति से जिले एवं राज्य की सभी प्रभारी एवं योग शिक्षिकाएं उपस्थित रही। अच्छा कार्य करने वाली योग प्रशिक्षिका तेलियरगंज तिकोना पार्क की शशी यादव को अंग वस्त्र एवं ट्रॉफी के द्वारा प्रभारी की तरफ से पुरस्कृत किया गया। इस कार्यक्रम में तेलियरगंज, से आई हुई महिलाओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर उपस्थित जन समुदाय को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर रंजना वाजपेई विशिष्ट अतिथि जीवन ज्योति हॉस्पिटल के डायरेक्टर वंदना बंसल जी राज्य प्रभारी सुनीता दुबे, जिला प्रभारी शुभम सिंह, एवं सदर प्रभारी सुनीता तिवारी, के साथ सावी, सीमा प्रकाश, प्रसून, संध्या, अरुणिमा, रश्मि, रागिनी, सोनिया, सुमन, नूतन, मेनका, बीना, प्रीति, सुशीला, राधा, निकिता, वंदना, गीता, किरण, शशि, आदि सैकड़ों महिलाओं ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने मे अपना संपूर्ण सहयोग प्रदान किया है।

भिवंडी में शिवसेना (उ.बा.ठा.) की कार्यकर्ता बैठक, फैय्याज अंसारी कांग्रेस छोड़ शामिल

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

शिवसेना उद्धव बाळासाहेब ठाकरे गुट की भिवंडी शहर जिला शाखा में रविवार को एक अहम बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में आगामी भिवंडी महानगरपालिका चुनावों को ध्यान में रखते हुए पार्टी पदाधिकारियों को बूथ स्तर से लेकर पोलिंग एजेंट और बी.एल.ए. की जिम्मेदारियों पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया गया। बैठक में उपनेता विश्वासजी थले, उपनेत्री ज्योतीताई ठाकरे, लोकसभा सह संपर्क प्रमुख डॉ. सोन्या पाटील, जिला प्रमुख मनोज गगे, शहर जिला संपर्क प्रमुख किशोर पोद्दार, शहर प्रमुख प्रसाद पाटील, महानगर प्रमुख अरुण पाटील, जिला संघटिका वैशालीताई मेस्त्री, जिला सचिव राजाभाऊ पुण्यार्थी और शहर समन्वयक नाना झलके प्रमुख रूप से मौजूद रहे। नेताओं ने स्पष्ट किया कि आगामी महानगरपालिका चुनावों में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) गुट के अधिक से अधिक नगरसेवक चुनकर लाने के लिए हर कार्यकर्ता को बूथ स्तर पर सक्रिय रहना होगा। सभी पदाधिकारियों ने इस दिशा में पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया। इस मौके पर बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम भी देखने को मिला। ब्लॉक कांग्रेस युवा अध्यक्ष फैय्याज अंसारी ने अपने बहुसंख्य कार्यकर्ताओं के साथ कांग्रेस छोड़कर शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) में प्रवेश किया। उनका स्वागत पार्टी नेताओं ने किया। मुस्लिम समाज की भागीदारी पर भी चर्चा हुई और मुस्लिम पदाधिकारियों ने भरोसा जताया कि समुदाय शिवसेना के साथ मजबूती से खड़ा है। बैठक में उपशहर प्रमुख संतोष भावार्थी, भाई वनगे, पश्चिम सचिव नितेश दांडेकर, भिवंडी शहर व्यापारी संघटना अध्यक्ष मनीष बंटी गिरी, कामगार सेना अध्यक्ष नजीर शेख, जमालुद्दीन मोमीन, अल्पसंख्यांक अध्यक्ष नईम अंसारी, मुजमिल खान, तारीक काजी, संतोष हकारे, अंकुश चव्हाण, मधुकर जाधव, मयुर कदम, विश्वनाथ नाईक, सुरेश पाटील, शांताराम जाधव, गोपीनाथ काटेकर, हर्षल राऊत, प्रताप शिंदे, स्वप्नील जोशी समेत बड़ी संख्या में शिवसैनिक और पदाधिकारी उपस्थित रहे।

भिवंडी में त्योहारों की आड़ में 'दना-दन' अवैध इमारतों पर लगे स्लैब, 150 से अधिक निर्माणाधीन इमारतें !

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी-निज़ामपुर शहर महानगरपालिका क्षेत्र में अवैध निर्माण का धंधा इन दिनों चरम पर है। हाईकोर्ट और मनपा आयुक्त के सख्त आदेशों के बावजूद प्रभाग अधिकारियों और बीट निरीक्षकों की मिलीभगत से शहर में खुलेआम अवैध इमारतों पर स्लैब डाले जा रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, वर्तमान में करीब 150 इमारतें अवैध रूप से निर्माणाधीन हैं और सिर्फ पिछले दस दिनों में ही दर्जनों इमारतों पर 'दना-दन' स्लैब मार दिए गए।आयुक्त अनमोल सागर ने अवैध निर्माण पर रोक लगाने के लिए प्रत्येक प्रभाग समिति में दो बीट निरीक्षकों की नियुक्ति की थी.लेकिन इन निरीक्षकों ने इलाके को आपस में बांटकर बिल्डरों से वसूली का खेल शुरू कर दिया। तय रकम चुकाने के बाद बिल्डरों को निर्माण की खुली छूट दे दी जाती है। सूत्रों का कहना है कि प्रत्येक स्लैब पर फुट के हिसाब से दरें तय होती हैं। रकम पहुँचाने की जिम्मेदारी स्थानीय पूर्व नगरसेवक और निजी इंजीनियरों पर होती है।

जानकारी के मुताबिक, पिछले दस दिनों में प्रभाग समिति क्रमांक 1 में 10, प्रभाग समिति 2 में 12, प्रभाग समिति 3 में 10, प्रभाग समिति 4 में 9 और प्रभाग समिति 5 में करीब 6 इमारतों का स्लैब

डाला गया। खास बात यह है कि ये स्लैब शनिवार-रविवार या त्योहारों के दिन ही डाले जाते हैं ताकि कार्रवाई से बचा जा सके। अवैध निर्माण का यह खेल नया नहीं है। पहले भी कई अधिकारी और कर्मचारी बिल्डरों से उगाही करते हुए ए.सी.बी. की गिरफ्त में आ चुके हैं। अब भी आरोप है कि सहायक आयुक्त मोटी रकम लेकर इमारत पूरी होने के बाद ही डीपीएल पूरा करते हैं। सूत्रों का दावा है कि सहायक आयुक्त का पद पाने के लिए लाखों रुपये की रिश्वत दी जाती है और हर महीने अधिकारियों का 'रिचार्ज' किया जाता है। भिवंडी के नागरिक सवाल उठा रहे हैं कि जब न्यायालय और आयुक्त के आदेशों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं, तो जिम्मेदार अधिकारियों पर आखिर कार्रवाई होगी।

नेहरू नगर में पहाड़ी पर मकान की दीवार ढही, बड़ा हादसा टला

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी निज़ामपुर शहर महानगरपालिका क्षेत्र के प्रभाग समिति क्रमांक 2 अंतर्गत नेहरू नगर में रविवार रात एक बजे एक मकान की दीवार अचानक ढह गई। यह मकान पहाड़ी की ऊँचाई पर स्थित था। गनीमत रही कि हादसे के समय दीवार के पास कोई मौजूद नहीं था, अन्यथा बड़ी दुर्घटना से इनकार नहीं किया जा सकता था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, गिरी हुई दीवार का मलबा हटाने की प्रक्रिया और भी खतरनाक साबित हो सकती है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि यदि मलबा पूरी तरह हटाया गया तो पाँच से सात मकान और पहाड़ी से खिसक सकते हैं। इससे आसपास रहने वाले परिवारों की सुरक्षा को गंभीर खतरा पैदा हो गया है। नगरपालिका के कर मूल्यांकन विभाग ने इस मकान को

क्रमांक 2639/0 जारी किया है। घटना की सूचना मिलते ही सोमवार की सुबह महानगरपालिका का आपातकालीन विभाग और प्रभाग समिति 2 के कर्मचारी मौके पर पहुँचे और मलबा हटाने का प्रयास किया। हालांकि, स्थानीय नागरिकों ने चेतावनी दी कि जल्दबाज़ी में की गई कार्रवाई से और मकान ढहने का खतरा बढ़ सकता है। नेहरू नगर की पहाड़ी पर बसी झोपड़पट्टियाँ पहले भी भूस्खलन और दीवार गिरने की घटनाओं से प्रभावित होती रही हैं। अब स्थानीय लोगों ने मांग की है कि प्रशासन तात्कालिक सुरक्षा उपाय करते हुए प्रभावित मकानों का सर्वे कराए और ज़रूरत पड़ने पर उन्हें सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित किया जाए।

रिश्वत कांड में फंसे कर्मचारियों को फिर क्या मिलेगी जिम्मेदारी !

पालिका की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी निज़ामपुर शहर महानगरपालिका में एक बार फिर गंभीर चर्चा छिड़ गई है। सूत्रों के अनुसार, जिन कर्मचारियों को पूर्व में रिश्वतखोरी मामलों में पकड़ा गया था, उन्हीं को अब पुनः प्रभाग समितियों की जिम्मेदारी सौंपे जाने की तैयारी की जा रही है। बताया जा रहा है कि कुछ कर्मचारियों को जल्द ही प्रभाग सहायक आयुक्त का पद दिया जा सकता है। नागरिकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है कि यह कदम मनपा प्रशासन की पारदर्शिता और विश्वसनीयता दोनों पर सवाल खड़े करता है। भ्रष्टाचार में पकड़े गए कर्मचारियों को दोबारा

जिम्मेदारी सौंपना ईमानदार कर्मचारियों के साथ अन्याय है। नागरिकों ने नाराजगी जताते हुए कहा कि जब एक ओर न्यायालय और आयुक्त स्तर से अवैध निर्माण और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के आदेश दिए जाते हैं, वहीं दूसरी ओर उन्हीं कर्मचारियों को फिर से महत्वपूर्ण पद पर बैठाना व्यवस्था को संदेह के घेरे में डालता है।

भिवंडी में अवैध इमारतों और नियमों की अनदेखी लंबे समय से चर्चा का विषय रहे हैं। प्रभाग सहायक आयुक्त का पद सीधे तौर पर अवैध बांधकाम और उससे जुड़ी वसूली पर नियंत्रण रखता है। ऐसे में यदि रिश्वत कांड में फंसे कर्मचारियों को यह जिम्मेदारी सौंपी गई तो अवैध निर्माण को और बढ़ावा मिलना तय माना जा रहा है। पूर्व में एसीबी ने मनपा के कई कर्मचारियों को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा है। इसके बावजूद उन्हीं पर दोबारा भरोसा जताना कहीं न कहीं पुराने खेल को नया संरक्षण देने जैसा माना जा रहा है। स्थानीय नागरिकों ने मांग की है कि जिन कर्मचारियों पर रिश्वत और भ्रष्टाचार के आरोप हैं, उनकी पूरी जांच कराई जाए और दोष सिद्ध होने पर कड़ी कार्रवाई की जाए। जिम्मेदारी उन्हीं लोगों को दी जानी चाहिए जिनकी छवि साफ और कार्यप्रणाली पारदर्शी हो।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की उपस्थिति में 'नया नागपुर' के विकास के लिए NMRDA, NBCC और HUDCO के बीच दो महत्वपूर्ण समझौता करार

मुंबई। महाराष्ट्र के भावी अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय और वित्तीय केंद्र (IBFC) के रूप में 'नया नागपुर' परियोजना को गति मिल गई है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की उपस्थिति में आज नागपुर महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (NMRDA) और केंद्र सरकार की नवरत्न दर्जे की दो सार्वजनिक कंपनियाँ - NBCC (इंडिया) लि. और HUDCO के बीच दो महत्वपूर्ण समझौता करार (MoU) संपन्न हुए। इन करारों से नए नागपुर को विश्वस्तरीय विकास को प्रोत्साहन मिलेगा तथा नागपुर का आर्थिक और व्यावसायिक चेहरा बदलने का बड़ा अवसर प्राप्त होगा।

NBCC के साथ करार 1,000 एकड़ पर नया अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र

NMRDA और NBCC (इंडिया) लि. के बीच हुए करार के अनुसार, नए नागपुर प्रकल्प के अंतर्गत 1,710 एकड़ में से 1,000 एकड़ पर विकास कार्य किया जाएगा। शेष 710 एकड़ भावी विस्तार हेतु सुरक्षित रखा जाएगा। यह विकास प्लग-एंड-प्ले मॉडल पर आधारित होगा। इसमें शामिल होंगी सुविधाएँ - समेकित भूमिगत यूटिलिटी टनल्स, डिस्ट्रिक्ट कूलिंग सिस्टम, स्वचालित कचरा संकलन एवं वर्गीकरण परियोजना,

स्टार्ट-अप्स, MSME, आईटी कंपनियाँ, व्यावसायिक केंद्र, साथ ही आवासीय एवं मिश्र उपयोग परियोजनाएँ।

NBCC को इस परियोजना के लिए परियोजना प्रबंधन एवं परामर्शदाता संस्था नियुक्त किया गया है। अगले 15 वर्षों में तीन चरणों में यह परियोजना कार्यान्वित की जाएगी। इसके लिए एक सक्षम समिति गठित होगी, जिसकी अध्यक्षता NMRDA के आयुक्त करेंगे।

HUDCO के साथ करार 11,300 करोड़ का वित्तीय सहयोग

दूसरा महत्वपूर्ण करार NMRDA और HUDCO (Housing and URan Development Corporation Ltd.) के बीच हुआ। इस करार के अंतर्गत HUDCO 11,300 करोड़ की निधि उपलब्ध कराएगा। इसमें 6,500 करोड़ - नए नागपुर के लिए भूमि अधिग्रहण, व्यावसायिक विकास और आधारभूत सुविधाएँ

4,800 करोड़ नागपुर बाह्य रिंग रोड के लिए भूमि अधिग्रहण

इस वित्तीय सहयोग से 'नया नागपुर' परियोजना की संकल्पना और नागपुर बाह्य रिंग रोड जैसे आधारभूत प्रकल्प तेजी से साकार होंगे। इस भागीदारी में कार्यशालाएँ, प्रशिक्षण एवं क्षमता-वृद्धि कार्यक्रम भी शामिल होंगे। इस अवसर पर NBCC (इंडिया) लि. के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के. पी. महादेवस्वामी, HUDCO के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक संजय कुलश्रेष्ठ, तथा NMRDA के आयुक्त संजय मीणा (IAS) और अन्य मान्यवर उपस्थित थे।

इन परियोजनाओं को महाराष्ट्र मंत्रिमंडल ने 3 सितंबर 2025 को मंजूरी दी है। अब इनके प्रत्यक्ष क्रियान्वयन को गति मिलेगी। इन दोनों समझौता करारों से 'नया नागपुर' देश का एक अत्याधुनिक और वैश्विक स्तर का वित्तीय एवं व्यवसायिक केंद्र बनने की दिशा में निर्णायक कदम सिद्ध होगा। नागपुर की आर्थिक तस्वीर पर ये परियोजनाएँ 'गेम चेंजर' साबित होंगी।

बाढ़ पीड़ितों के लिए प्रेमानंद महाराज ने की खास अपील, राहत कार्यों में जुटे संतजन

लखनऊ **(एजेंसी)**। देश के उत्तर और पश्चिमी हिस्सों में बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। पंजाब में 1, 400 से अधिक गांव जलमग्न हो चुके हैं, किसानों की फसलें नष्ट हो गई हैं और लाखों लोग अपने घरों से विस्थापित हो गए हैं।

यूपी में यमुना नदी का जलस्तर बढ़ने के कारण मथुरा-वृंदावन के आसपास के 45 गांव पूरी तरह टापू में बदल गए हैं। प्रशासन ने इन गांवों और आसपास के इलाकों से 9, 000 से अधिक लोगों को रेस्क्यू कर राहत शिविरों में भेजा।

वृंदावन स्थित राधा हित केलि कुंज आश्रम के प्रेमानंद महाराज ने देश में आई बाढ़ को लेकर कहा कि, 'देशभर में बाढ़ का कहर है और वृंदावन में भी लाखों लोग बिना भोजन, पानी और बिजली के कठिन हालात में जीवन यापन कर रहे हैं। हमारे संतजन नावों के जरिए प्रभावित लोगों तक खाना, पानी और राहत सामग्री पहुंचा रहे हैं।'

उन्होंने आगे कहा कि, देश के विभिन्न प्रांतों में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है। जो लोग सक्षम हैं, उन्हें चाहिए कि वे बाढ़ प्रभावितों की मदद करें। मानव जीवन तभी सार्थक होता है, जब हम किसी का कल्याण करें।'

पिछले कुछ हफ्तों में भारी बारिश और भूस्खलन के कारण पंजाब, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और देश के अन्य राज्य भी बाढ़ से प्रभावित हैं। भारत सरकार पीड़ितों को राहत पहुंचाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है।

आमजन से व्यवहार ठीक रखें जनसेवक दुर्व्यवहार बर्दाश्त नहीं : सीएम योगी

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'जनता दर्शन' के दौरान राज्य भर से आए लोगों की शिकायतें सुनीं और उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। 'जनता दर्शन' में 50 से अधिक व्यक्ति पहुंचे थे। सहारनपुर से आई महिला ने बताया कि उनके पास राशन कार्ड नहीं है और जब वह राशन लेने जाती हैं तो राशन डीलर अभद्रता करता है। इस पर मुख्यमंत्री ने कार्रवाई के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि हर जनसेवक आमजन से व्यवहार ठीक रखें, किसी भी प्रकार का दुर्व्यवहार बर्दाश्त नहीं होगा। सोमवार को 'जनता दर्शन' में सर्वाधिक मामले जमीनी विवाद से जुड़े आए। प्रयागराज

से आए केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवान ने भी जमीन से जुड़े मामले को लेकर मुख्यमंत्री के समक्ष अपनी बात रखी। इस पर मुख्यमंत्री ने स्थानीय प्रशासन को इस प्रकरण के शीघ्र निस्तारण का निर्देश दिया। शामली से भी एक महिला अपनी शिकायत लेकर आयी थी। महिला ने बताया कि उनके पति असम में तैनात हैं। उन्होंने भी बताया कि प्रयागराज में जमीन ली है, लेकिन कब्जा लेने में परेशानी आ रही है। मुख्यमंत्री योगी ने पत्र लेकर कार्रवाई का निर्देश दिया। 'जनता दर्शन' में दिव्यांग भी पहुंचे थे। गाजीपुर से आये दिव्यांग उधम यादव ने पेंशन बढ़ाने, आयुष्मान कार्ड, हैंडपंप व आवास दिलाने को लेकर मुख्यमंत्री को प्रार्थना पत्र दिया। मुख्यमंत्री ने उनकी समस्या के समाधान और सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिया। उन्होंने उधम यादव को इलेक्ट्रॉनिक वॉकिंग स्टिक भी प्रदान की।

हिन्दू समाज पार्टी के जिलाध्यक्ष कमल चौहान की हत्या, गोली मारकर हमला

मचा हड़कंप, पत्नी बोली- कई दिनों से मिल रही थीं धमकियां

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के मुरादाबाद में रविवार शाम को एक हत्या से सनसनी फैल गई। बदमाशों ने एक हिंदूवादी नेता की गोली मारकर हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि हमलावरों ने कमल चौहान को उस वक्त गोली मार दी, जब वह स्कूटी से अपने घर लौट रहे थे। कमल चौहान हिन्दू समाज पार्टी के जिला अध्यक्ष थे। पुलिस का कहना है कि मृतक आपराधिक पृष्ठभूमि से जुड़ा था और पश्चिमी यूपी के कई कुख्यात अपराधियों से उसके संबंध रहे हैं। इस मामले में पुलिस ने आरोपियों की तलाश के लिए टीमों का गठन कर तलाश शुरू कर दी है।

मुरादाबाद के कटघर थाना इलाके

के करूला क्षेत्र में हुई इस वारदात में मृतक नेता के परिजनों ने स्थानीय नेताओं पर आरोप लगाए हैं। मृतक के खिलाफ कई थानों में केस दर्ज थे। हाल ही में उसका नाम ड्रग्स के धंधे में भी सामने आया था। वारदात के वक्त उसके साथ मौजूद दोस्त ने पुलिस को बताया कि हत्या सनी उर्फ सोनू दिवाकर नाम के युवक ने की है। सोनू दिवाकर पर भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं और पुलिस पहले से ही उसकी तलाश कर रही थी।

घटना की जानकारी देते हुए मुरादाबाद के एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि स्कूटी से जा रहे कमल चौहान पर बदमाशों ने हमला कर दिया। घायल हालत में उन्हें अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। परिवार वालों ने कुछ लोगों पर हत्या का आरोप लगाया है। उनकी तहरीर पर केस दर्ज कर लिया गया है और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की कई टीमें लगाई गई हैं। जल्द ही आरोपी पकड़ लिए जाएंगे। फिलहाल एसएसपी सतपाल अंतिल ने सोनू दिवाकर और उसके साथियों की गिरफ्तारी के लिए तीन टीमों का गठन किया है।

कार्लोस अल्काराज ने यानिक सिनर को हराकर जीता यूएस ओपन का खिताब

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। इन दिनों स्पेनिश टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज के सितारे गर्दिश में हैं। एक के बाद एक करके वह कई खिताब अपने नाम करते जा रहे हैं। वहीं उन्होंने दूसरी बार यूएस ओपन का खिताब अपने नाम किया है। दरअसल, ग्रैंड फिनाले में कार्लोस अल्काराज ने नंबर वन टेनिस प्लेयर यानिक सिनर को चार सेट तक चले मुकाबले में मात दी। इस तरह कार्लोस अल्काराज ने एक और खिताब अपने नाम किया, जो ग्रैंड स्लैम का उनका छठा खिताब है।

इसके साथ ही अल्काराज ने राफेल नडाल की बराबरी कर ली। वे 23 साल से कम उम्र में 6 खिताब जीतने वाले तीसरे प्लेयर बन गए हैं। इतने ही खिताब राफेल नडाल ने भी 23 साल से पहले जीत लिए थे। सात खिताब बीजोर्न बोर्ग ने जीते हैं। कार्लोस अल्काराज ने आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए यूएस ओपन 2025 के फाइनल में यानिक सिनर को 6-2, 3-6, 6-1, 6-4 से हटाया। कार्लोस अल्काराज ने न सिर्फ छठा ओपन टाइटल जीता, बल्कि वे एटीपी रैंकिंग में नंबरवन की कुर्सी भी हासिल करने में सफल हुए, जिसपर पिछले 65 सप्ताह से यानिक सिनर का कब्जा था।

कार्लोस अल्काराज का ये यूएस ओपन का दूसरा टाइटल है। 2022 में भी वे इस खिताब को जीत चुके हैं, जो उनका पहला ग्रैंड स्लैम टाइटल था। तीन साल के इंतजार के बाद फिर से वे इसके चैंपियन बने हैं। वहीं 22 वर्षीय कार्लोस अल्काराज को यूएस ओपन 2025 का खिताब जीतने पर पिछले साल की तुलना में 39 प्रतिशत ज्यादा की इनामी राशि मिली। यूएस ओपन 2025 के सिंगल में विजेता को इनामी राशि के रूप में 5 मिलियन डॉलर यानी भारतीय रूपये के अनुसार, करीब 44 करोड़ रुपये मिले हैं। बता दें कि, पिछले सीजन के विजेता को 31.74 करोड़ रुपये मिले थे। इसके अलावा रनर-अप रहे यानिक सिनर को 22 करोड़ रुपये से ज्यादा मिले। जो की आईपीएल 2025 की आरसीबी को मिले प्राइज मनी से ज्यादा है।

एशिया कप 2025 : संजू सैमसन को लेकर रवि शास्त्री ने टीम इंडिया को चेताया

कहा- टॉप ऑर्डर में ना करें छेड़खानी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। एशिया कप 2025 के आगाज से पहले ही भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई हैं। दरअसल, संजू सैमसन भले ही टी20 क्रिकेट में बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हों, लेकिन एशिया कप के लिए उन्हें प्लेइंग इलेवन में जगह मिलेगी या नहीं इस पर अभी से मंथन चल रहा है। टीम में शुभमन गिल की वापसी और उन्हें उपकप्तान बनाए जाने के बाद सैमसन की प्लेइंग इलेवन में जगह तय नहीं है। वहीं इस कड़ी में अब पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री ने भी टीम इंडिया को चेताया है। संजू सैमसन ने पिछले साल टी20 वर्ल्ड कप के बाद ओपनिंग की जिम्मेदारी संभालते हुए तीन शतक जड़े थे। 12 मैचों में उन्होंने बांग्लादेश, साउथ अफ्रीका और इंग्लैंड के खिलाफ 417 रन बनाए। इस दौरान उनका औसत 37.90 और स्ट्राइक रेट 183.70 का रहा। हालांकि, इंग्लैंड के खिलाफ उनकी आखिरी सीरीज फीकी रही, जिसमें पांच मैचों में उनका बेस्ट स्कोर केवल 26 रन था।

शुभमन गिल की वापसी ने सैमसन के लिए मुश्किल खड़ी कर दी है। संभावना है कि गिल को टॉप ऑर्डर पर मौका दिया जाएगा जिससे सैमसन को मिडिल ऑर्डर में खेलना पड़ सकता है। इस स्थिति में उन्हें जितेश शर्मा से कड़ी प्रतिस्पर्धा करनी होगी। इस बीच रवि शास्त्री ने संजू सैमसन को लेकर बड़ा बयान दिया है। रवि शास्त्री का मानना है कि सैमसन को ओपनिंग पोजिशन से हटाना ठीक नहीं होगा। उन्होंने कहा कि टॉप ऑर्डर में ही संजू सबसे खतरनाक बल्लेबाज माने जाते हैं। उन्हें टॉप आर्डर में ही खेलने देना चाहिए। शास्त्री ने आगे कहा कि, अगर गिल को शामिल करना है तो किसी और की जगह हो सकती है, लेकिन सैमसन को ओपनिंग से हटाना टीम के लिए सही नहीं है। सैमसन का पिछला आईपीएल चोटों के कारण उतार-चढ़ाव भरा रहा। लेकिन उन्होंने केरल क्रिकेट लीग में कोच्चि ब्लू टाइगर्स के लिए बेहतरीन प्रदर्शन कर एशिया कप से पहले लय हासिल की जिसमें एक शतक भी शामिल था।

क्रिस गेल का आईपीएल को लेकर महाखुलासा

पंजाब किंग्स फ्रेंचाइजी पर लगाया अनादर करने का आरोप

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। वेस्टइंडीज के महान सलामी बल्लेबाज क्रिस गेल ने आईपीएल को लेकर एक बड़ा खुलासा किया है। दरअसल, उन्होंने उस सीजन की सच्चाई और दर्द बयां किया है, जो उन्होंने पंजाब किंग्स के साथ गुजारा था। क्रिस गेल ने कहा है कि पंजाब किंग्स फ्रेंचाइजी ने उनका अनादर किया और उन्हें बच्चे से जैसा ट्रीट किया है। उन्होंने केएल राहुल और अनिल कुंबले का भी जिक्र किया है जो उस समय कप्तान और हेड कोच थे। क्रिस गेल ने शुभांकर मिश्रा के पॉडकास्ट में कहा कि, पंजाब किंग्स के साथ मेरा आईपीएल सीजन समय से पहले ही खत्म हो गया था। किंग्स इलेवन में मेरा अनादर किया गया। मुझे लगा कि एक सीनियर खिलाड़ी होने के बावजूद, जिसने लीग के लिए इतना कुछ किया और मूल्य अर्जित की, मेरे साथ ठीक से व्यवहार नहीं किया गया। उन्होंने मेरे साथ एक बच्चे जैसा व्यवहार किया। जिंदगी में पहली बार, मुझे लगा कि मैं डिप्रेशन में जा रहा हूं। अनिल कुंबले से बात करते हुए मैं रो पड़ा, क्योंकि मैं बहुत आहत था। मैं उनसे और फ्रेंचाइजी के संचालन के तरीके से निराश था। केएल राहुल ने मुझे फोन करके भी कहा कि, क्रिस रुको तुम अगला मैच खेलोगे, लेकिन मैंने बस कहा, तुम्हें शुभकामनाएं और अपना बैग पैक करके बाहर निकल गया। क्रिस ने पंजाब के अलावा केकेआर और आरसीबी के लिए भी आईपीएल खेला है। 142 मैच वे इस लीग में खेले हैं। इनकी 141 पारियों में कुल 4965 रन उन्होंने बनाए हैं। 175 उनका बेस्ट है। 6 शतक और 31 अर्धशतक उन्होंने जड़े। 2008 में उन्होंने आईपीएल डेब्यू किया था और इसके बाद 2021 में उन्होंने आखिरी आईपीएल मैच खेला है।

स्पाइसजेट अगले साल अप्रैल तक 10 खड़े विमानों का परिचालन बहाल करेगी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। जून तिमाही में घाटे में रही एयरलाइन कंपनी स्पाइसजेट ने कहा है कि वह अप्रैल, 2026 तक उड़ान सेवाओं से बाहर चल रहे अपने 10 विमानों का परिचालन फिर शुरू करने की योजना बना रही है। जून तिमाही के अंत में स्पाइसजेट के 56 विमानों के बेड़े में से केवल 21 विमान ही परिचालन में थे जबकि 35 विमान तकनीकी या परिचालन कारणों से जमीन पर खड़े थे। कंपनी ने निवेशकों के समक्ष एक प्रस्तुति में कहा कि अप्रैल, 2026 तक ठप खड़े 10 विमानों को फिर से उड़ान में लाया जायेगा। इनमें से चार-पांच विमानों की उड़ान सेवाएं इस साल सर्दियों की शुरुआत में ही बहाल की जाएंगी ताकि त्योहारी और व्यस्त सत्र की मांग को पूरा किया जा सके। अप्रैल-जून, 2025 की तिमाही में स्पाइसजेट को 238 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ जबकि पिछले साल इसी अवधि में उसे 150 करोड़ रुपये का लाभ हुआ था। कंपनी ने बताया कि जमीन पर खड़े विमानों की परिचालन सेवाएं बहाल करने के लिए उसने रखरखाव और मरम्मत स्लॉट सुनिश्चित कर लिए हैं। अबतक कुल 19 विमान इंजन मरम्मत के लिये दुनिया भर के केंद्रों में भेजे गए हैं जिनमें सात इंजन बोइंग 737 एनजी, छह इंजन बोइंग 737 मैक्स और छह इंजन क्यू400 विमानों के हैं।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ जो रूट ने ओडीआई में रचा इतिहास

सचिन तेंदुलकर का महारिकॉर्ड किया ध्वस्त

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। इंग्लैंड और साउथ अफ्रीका के बीच तीसरा वनडे मैच खेला गया। इस मुकाबले में पहले जो रूट ने इतिहास रचा और फिर इंग्लैंड टीम में भी इतिहास के पन्नों में अपना नाम दर्ज करा लिया। रूट ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीसरे वनडे में 96 गेंद में 100 रनों की पारी खेली। अपनी शतकीय पारी के दौरान रूट ने 6 चौके लगाए। वनडे क्रिकेट में रूट का ये 19वां शतक रहा। इसके साथ ही जो रूट ने भारत के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का एक बड़ा रिकॉर्ड ध्वस्त किया है। वनडे क्रिकेट में सबसे तेज 19 शतक लगाने के मामले में रूट ने अब सचिन को पछाड़ दिया है। सचिन ने वनडे में 194 पारियो में 19 शतक लगाए थे। वहीं रूट ने ये कारनामा सिर्फ 172वीं पारी में ही कर दिया। रूट अब वनडे में सबसे तेज 19 शतक लगाने वाले छठे बल्लेबाज बन गए हैं। इस रिकॉर्ड लिस्ट में सबसे ऊपर पाकिस्तान के बाबर आजम का नाम है। बाबर ने सिर्फ 102 पारियों में ही 19 शतक लगा दिए।

वहीं अब बात करते हैं कि इंग्लैंड टीम ने भी बहुत बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया। इंग्लिश टीम ने वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया। इंग्लैंड ने तीसरे वनडे में 414 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया और फिर दक्षिण अफ्रीका को महज 72 रनों पर ढेर कर दिया। इंग्लैंड ने तीसरा वनडे 342 रनों से जीता। वनडे क्रिकेट के इतिहास में रनों के लिहाज से ये सबसे बड़ी जीत है।

सेल्फी लेने के चक्कर में आलिया भट्ट के फैन ने लिया मीडिया और सिक्योरिटी से पंगा, एक्ट्रेस ने दिया रिएक्शन

बॉलीवुड अदाकारा आलिया भट्ट मां बनने के बाद भी काम कर रही हैं। अपनी बेटी के साथ साथ आलिया भट्ट ने फिल्मों के लिए भी समय निकालना शुरू क दिया है। हाल ही में आलिया भट्ट अपने 250 करोड़ रुपये की कीमत के घर की वजह से सुर्खियों में बनी हुई थीं। इसी बीच आलिया भट्ट का एक वीडियो फैंस का ध्यान अपनी तरफ खींच रहा है। इस वीडियो में आलिया भट्ट मीडिया के सामने से निकलकर जाती दिख रही हैं। इस वीडियो में आलिया भट्ट का एक फैन जबरदस्ती उनके साथ फोटो लेने की कोशिश करता दिखा। जैसे ही फैन ने आलिया भट्ट के करीब जाने की कोशिश की वैसे ही मीडिया ने उसे आवाज लगाकर पास जाने से मना किया। वहीं आलिया भट्ट के बॉडीगार्ड ने भी इस फैन को दूर हटाने की कोशिश की। ऐसे में आलिया भट्ट अपने इस फैन के लिए रुकीं। उसे हाथ दिखाकर रोका और फोटो क्लिक करवाई। बॉडीगार्ड के मना करने पर भी आलिया भट्ट ने अपने इस फैन का दिल रखा। आलिया भट्ट का ये वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। फैंस आलिया भट्ट के इस व्यवहार की तारीफ कर रहे हैं। फैंस का कहना है कि आलिया भट्ट ने इस लड़के के साथ फोटो क्लिक करवाकर साबित कर दिया है कि उनको भी अपने चाहने वालों की कद्र है। बहुत से सितारे अपने फैंस को एक सिरे से नजरअंदाज कर देते हैं।

वीडियो में आलिया भट्ट नो मेकअप लुक में नजर आईं। जींस और टीशर्ट पहनकर आलिया भट्ट मुंबई की सड़कों पर निकली थीं। आलिया भट्ट को देखकर लग रहा है कि जैसे उन्होंने अपने बालों में तेल लगाया है। इस लुक की वजह से भी आलिया भट्ट सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं। फैंस को आलिया भट्ट का नो मेकअप लुक काफी पसंद आ रहा है। इस दौरान आलिया भट्ट ने भी मीडिया के आगे बिना कुछ सोचे समझे पोज दिए।

मजबूत वैश्विक रुझानों के चलते शेयर बाजारों में शुरुआती कारोबार में तेजी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। वैश्विक बाजारों में मजबूत रुझानों के चलते सोमवार को शुरुआती कारोबार में प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी दर्ज की गई। इस महीने के अंत में अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों में कटौती करने की उम्मीद से बाजार को समर्थन मिला। इसके अलावा हाल में जीएसटी दरों में कटौती की घोषणा ने भी शुरुआती कारोबार के दौरान बाजारों में आशावाद को बढ़ाया।

इस दौरान 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 296.26 अंक चढ़कर 81, 007.02 पर पहुंच गया। दूसरी ओर 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 90.35 अंक चढ़कर 24, 831.35 पर था।

सेंसेक्स की कंपनियों में टाटा स्टील, टाटा मोटर्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, अदाणी पोर्ट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट और पावर ग्रिड के शेयरों में तेजी रही। दूसरी ओर एशियन पेंट्स, ट्रेंट, भारती एयरटेल और टाइटन में गिरावट दर्ज की गई। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 1, 304.91 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 1, 821.23 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.19 प्रतिशत बढ़कर 66.29 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर था।

सात्विक-चिराग की जोड़ी हांगकांग सुपर 500 में करेगी भारतीय चुनौती की अगुवाई

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। विश्व चैंपियनशिप में हाल ही में कांस्य पदक जीतने वाली सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष जोड़ी मंगलवार से शुरू हो रहे हांगकांग सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में एक बार फिर भारत की चुनौती का नेतृत्व करेगी।

विश्व रैंकिंग में तीसरे स्थान पर काबिज इस जोड़ी ने पेरिस में शानदार प्रदर्शन के बूते विश्व चैंपियनशिप में अपना दूसरा कांस्य पदक जीता। यह जोड़ी मौजूदा सत्र में निरंतरता के साथ लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाली जोड़ी रही है। वे बीडब्ल्यूएफ टूर पर भारत, मलेशिया, चीन और सिंगापुर सहित कई प्रतियोगिताओं के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं।

आठवीं वरीयता प्राप्त यह जोड़ी अपने अभियान की शुरुआत चीनी ताइपे के चियु शिआंग चिएह और वांग ची-लिन के खिलाफ करेगी। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने विश्व चैंपियनशिप में चीन की वांग झी यी को हराकर फॉर्म में वापसी का संकेत दिया था। उनका अभियान हालांकि क्वार्टर फाइनल से आगे नहीं बढ़ पाया था।

हांगकांग में सिंधू के सामने डेनमार्क की लाइन क्रिस्टाफरसेन के खिलाफ अपने पहले मैच में बेहतर प्रदर्शन करने की चुनौती होगी। इस साल के उभरते सितारों में से एक यूएस ओपन चैंपियन आयुष शेट्टी का पहले दौर में चीन के लू गुआंग झू के खिलाफ एक कठिन मुकाबला है। पूर्व विश्व नंबर छह लक्ष्य सेन पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक से चूकने के बाद से लय तलाश रहे हैं। वह चीनी ताइपे के वांग त्जु वेई के खिलाफ आत्मविश्वास हासिल करने की कोशिश करेंगे।

24 साल का यह खिलाड़ी इस साल चोट और करीबी मुकाबलों में हार से परेशान रहा है। पेरिस में डेनमार्क के एंडर्स एंटोनसेन से कड़े मुकाबले में हार का सामना करने वाले एचएस प्रणय के सामने एक बार फिर मुश्किल चुनौती होगी। वह अपना अभियान जापान के पांचवीं वरीयता प्राप्त कोडाई नारोका के खिलाफ शुरू करेंगे।

महिला एकल में अनुपमा उपाध्याय का सामना जापान की चौथी वरीयता प्राप्त टोमोका मियाजाकी से होगा, जबकि रक्षिता रामराज का मुकाबला थाईलैंड की पूर्व विश्व चैंपियन और पांचवीं वरीयता प्राप्त रतचानोक इंतानोन से होगा। युगल में हरिहरन आम्सकारुनन और रुबन कुमार रेथिनासबपति की पुरुष जोड़ी तथा रुतपर्णा और स्वेतपर्णा पांडा की महिला जोड़ी भी अपनी किस्मत आजमायेगी।

मध्य रेल

सोलापुर मंडल

निविदा क्रमांक : सोला/क.वि./नि/2025/24S

भारत के राष्ट्रपति के और उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (क.वि.), मध्य रेल, सोलापुर, निम्नलिखित कार्य के लिए ख्यातीप्राप्त, अनुभवी और लाइसेंसधारी विद्युत ठेकेदारों से रेल्वे की ई-प्रोक्यूरमेंट वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर ऑनलाइन ई-निविदा आमंत्रित करते है। निविदा क्र. सोला/क.वि./नि./2025/24S **कार्य का नाम** : दो वर्ष की अवधि के लिए सोलापुर डिवीजन के लातूर, उस्मानाबाद, बार्शी टाउन, पंढरपुर, सांगोला और सलगरे डिपो के ट्रैक्शन सबस्टेशनों (टीएसएस) का संचालन और सेक्शनिंग पोस्ट (एसपी) और सब-सेक्शनिंग और पैरेललिंग पोस्ट (एसएसपी) के आपतकालीन संचालन। **अनुमानित लागत** : रु. 1,24,65,412.34 **बयाना राशि** : रु. 2,12,300/- **कार्य पुरा करने की अवधि** : 12 माह। **निविदा प्रस्ताव की वैधता** : 60 दिन। **वेबसाइट पर निविदा बंद होने की तिथि और समय** : दि. 30.09.2025 को 15.00 बजे। 57

असुरक्षित तथा अनाधिकृत रूप से रेल लाइन के पास कार्य करना दंडनीय अपराध है

भिवंडी निजामपूर शहर महानगरपालिका, भिवंडी

अग्निशमन व आपत्कालीन सेवा विभाग
ई निविदा सुचना क्रं.-1/2025-26

सु.क्रं	ठेक्याचे स्वरुप	कामाचा कालावधी	बयाना रक्कम	निविदा फॉर्मची किंमत
१	SUPPLY OF FIREFIGHTING EQUIPMENTS FOR FIRE SERVICES OF BHIWANDI NIZAMPUR CITY MUNICIPAL CORPORATION CONSISTING OF: (A) TYPE -2 ELASTOMERIC OUTER COATING RUBBER LINED DELIVERY HOSE-1 NO. (B) AQUEOUS FILM FORMING FOAM (AFFF) CONCENTRATE: 1% UL LISTED-1 liter. (ALL ABOVE ITEMS SHALL BE SUPPLIED AS PER ATTACHED TECHNICAL SPECIFICATIONS)	६० दिवस	रु.५०,०००/-	रु.५४००/

सदरची ई- निविदा सुचना, निविदेच्या अटी व शर्ती इ. http://mahatender.gov.in वर दिनांक-09/09/2025 पासुन ते दिनांक-18/09/2025 रोजी पर्यंत या कालावधीत प्रसिद्ध करण्यात येणार आहे.

जा.क्र./ज.सं.वि./९७१
दि. ०८/०९/२०२५

सहि-
मा. उपआयुक्त (मुख्या)
भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका, भिवंडी

विकसित भारत के सपने को साकार करेंगे पंचपरिवर्तन - डॉ जी एस तोमर

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के फार्मेसी संकाय में आरोग्य भारती गोरक्ष प्रांत की एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में आरोग्य भारती के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ जी एस तोमर उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता आरोग्य भारती गोरक्ष प्रांत के अध्यक्ष डॉ डी पी सिंह ने की। प्रारम्भ में दीप प्रज्ज्वलन एवं धन्वन्तरि वन्दना के उपरांत फार्मेसी कॉलेज के प्राचार्य डॉ शशिकांत सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया। इसके उपरांत डॉ तोमर ने अपने उद्बोधन में विकसित भारत के लिए समाज में पंच परिवर्तनों की आवश्यकता पर विस्तृत व्याख्यान दिया।उन्होंने कहा कि सबसे पहले हमें समाज में जाति, वर्ण, क्षेत्र एवं भाषा की विविधता को परे रखकर सामाजिक समरसता लानी होगी। इसके साथ - साथ संतति में संस्कारों का आदान करने के लिए कुटुंब प्रबोधन करना होगा। उन्हें पर्यावरण के महत्व को समझाना होगा। हमारे धर्म शास्त्रों में दस पुत्रों के समान एक वृक्ष बताया गया है। अतः हमें अपनी संतान की तरह वृक्षों का संरक्षण करना सीखना होगा। एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य का सपना पूरा करने के लिए हमें मानव, पशु पक्षी एवं पर्यावरण तीनों के स्वास्थ्य की चिंता करनी होगी। आत्मनिर्भरता ही किसी देश के विकास की आधारशिला है। अतः हमें जहाँ तक संभव हो भोजन, वस्त्र, एवं अन्य आवश्यक वस्तुओं में स्वदेशी का ही चयन करना चाहिए। इसके अलावा अपने राष्ट्र के सर्वांगीण विकास के लिए हमें नागरिक कर्तव्यों का ज़िम्मेदारी के साथ पालन करना चाहिए। इस प्रकार इन पंच परिवर्तनों के माध्यम से हम विकसित भारत का स्वप्न साकार करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर सकेंगे। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ डी पी सिंह ने आरोग्य भारती गोरक्ष प्रांत के द्वारा इस दिशा में किए गए कार्यक्रमों की जानकारी साझा की एवं सामाजिक समरसता को विकसित भारत की आधारशिला बताया। गोरक्षप्रांत के सह सचिव डॉ जयंत नाथ ने आरोग्य भारती के विभिन्न प्रकल्पों के बारे में जानकारी प्रदान की।संचालन पीयूष आनन्द ने किया एवं जूही तिवारी ने धन्यवाद ज्ञापन किया। अंत में शांति मंत्र के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रवीण सिंह, श्रेया मधेसिया, पूजा जायसवाल, दिलीप मिश्रा, प्रतीक्षा राय आदि प्राध्यापकों के साथ साथ बीफार्मा के लगभग 100 छात्र उपस्थित रहे।

आयुर्वेद भारत की चारदीवारी से निकलकर आज वैश्विक क्षितिज पर प्रतिष्ठापित- डॉ जी एस तोमर

महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्विद्यालय गोरखपुर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस के प्रथम वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता करते हुए विश्व आयुर्वेद मिशन के संस्थापक अध्यक्ष एवं महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद के सदस्य प्रो.(डॉ.) जी एस तोमर ने वैश्विक स्वास्थ्य सम्बन्धी चुनौतियों में आयुर्वेद एवं योग की भूमिका पर विस्तार से विचार व्यक्त किए। डॉ तोमर ने बताया कि आयुर्वेद आज भारत की चारदीवारी से निकलकर वैश्विक क्षितिज पर लोकप्रिय हो रहा है। इसकी औषधियों की गुणवत्ता के साथ-साथ जीवनशैली भी विश्व के आकर्षण का केन्द्र बनी हुई है। जीवनशैली जन्य रोगों की चिकित्सा में आयुर्वेद एवं योग की भूमिका आज वैज्ञानिक मापदंडों पर भी प्रमाणित

हो रही है। उन्होंने बताया कि आयुर्वेदीय स्वर्णघटित औषधियाँ जीर्ण एवं कष्ट साध्य रोगों की चिकित्सा का मूल मंत्र हैं। डॉ तोमर ने डायबिटीज़ की चिकित्सा में प्रवेक बसन्तकुसुमाकर रस एवं बीजीआर-34 को अत्यन्त प्रभावी बताया। उन्होंने कहा कि इन औषधियों से ओरल हाइपोग्लाइसिमिक औषधियों की मात्रा को क्रमशः करते हुए उन्हें छोड़ा जा सकता है। यही नहीं डाइबेटिक एवं हाइपरटेन्सिव नेफ्रोपैथी की अवस्था में नीरी केएफटी के परिणाम भी अत्यन्त उत्साहजनक हैं। डॉ तोमर ने युवा चिकित्सकों को आयुर्वेद चिकित्सा में विश्वास करते हुए इसके प्रचार प्रसार पर बल दिया। उन्होंने विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो केआरसी रेड्डी को इस सफलतम एवं भव्य आयोजन हेतु बधाई दी। इस अन्तर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन माननीय आयुष मंत्री डॉ दयाशंकर मिश्र 'दयालु' जी ने किया। इसमें कई देशों एवं आठ प्रदेशों के लगभग एक हज़ार से अधिक चिकित्सकों ने प्रतिभाग किया। कॉन्फ्रेंस के उद्घाटन सत्र में माननीय आयुष मंत्री डॉ दयाशंकर मिश्र 'दयालु' जी ने मंचासीन अन्तर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय विद्वानों सहित डॉ तोमर को भी अंगवस्त्रम एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया।

वर्षा ऋतु में वात के प्रकोप से अधिकांश रोगी गठिया से पीड़ित- डॉ जी एस तोमर

महंत दिग्विजय नाथ आयुर्वेद चिकित्सालय बालापार, सोनवरसा रोड, गोरखपुर में विशेष ओपीडी में विश्व आयुर्वेद मिशन के अध्यक्ष एवं आरोग्य भारती के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ जी एस तोमर ने शताधिक रोगियों का परीक्षण कर चिकित्सा परामर्श प्रदान किया। डॉ तोमर ने बताया कि आयुर्वेद की दृष्टि से वर्षा ऋतु में वात बढ़ता है। अतः तीन चौथाई रोग गठिया से पीड़ित मिले। अन्य रोगियों में श्वास, मधुमेह, उच्च रक्तचाप तथा हृदय रोग देखने को मिला। उन्होंने कहा सभी रोगियों को औषधियों के साथ साथ आहार विहार की जानकारी भी प्रदान की गई।

बिहार में कला-संस्कृति को बढ़ावाः

औरंगाबाद में 19 करोड़ से बनेगा अटल कला भवन, कलाकारों को मिलेगा मंच

पटना। बिहार के उपमुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी ने कहा- औरंगाबाद जिला मुख्यालय में अटल कला भवन निर्माण को स्वीकृति प्रदान की गई है। इस योजना के कार्यान्वयन पर 1973.26 लाख यानि उन्नीस करोड़ तिहत्तर लाख छब्बीस हजार रुपये खर्च किए जाएंगे। चौधरी ने कहा कि अटल कला भवन का निर्माण होने से औरंगाबाद जिले में सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय कलाकारों और युवाओं के लिए यह एक महत्वपूर्ण मंच साबित होगा।

उपमुख्यमंत्री चौधरी ने कहा कि औरंगाबाद में उच्चस्तरीय कला भवन की स्थापना से ना केवल स्थानीय प्रतिभाओं को मंच मिलेगा बल्कि बिहार की कला - संस्कृति को भी बढ़ावा मिलेगा। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सीएम नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए सरकार जिले को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के साथ कला संस्कति को भी बढ़ावा देने के लिए लगातार काम कर रही है। इसी कड़ी में औरंगाबाद में अटल कला भवन का निर्माण कराया जा रहा है। यह परियोजना ना केवल जिले के स्थानीय कलाकारों और सांस्कृतिक गतिविधियों को प्रोत्साहन देगी, बल्कि जिले को सांस्कृतिक पर्यटन मानचित्र पर भी एक विशेष पहचान दिलाएगी। वहीं, चौधरी ने बताया कि प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत सहरसा जिले के सौरबाजार प्रखंड में समडा से भमुरिया बाजार तक सड़क के पुनर्निर्माण के लिए 2344.624 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। 15.16 किलोमीटर लंबाई की इस सड़क निर्माण पर 23 करोड़ 44 लाख रुपये से अधिक की राशि खर्च की जाएगी।

नेपाल से लगते 1751 किमी लंबे बॉर्डर पर अतिरिक्त फोर्स नहीं लगाएगी एसएसबी, गृह मंत्रालय के आदेश का इंतजार

नई दिल्ली। सोशल मीडिया मंचों पर बैन लगाए जाने के विरोध में पड़ोसी मुल्क 'नेपाल' में सोमवार को हिंसा भड़क उठी। हिंसक प्रदर्शनों में दर्जनभर से ज्यादा लोग मारे गए हैं, जबकि अनेक लोग घायल बताए जा रहे हैं। नेपाल में बिगड़े हालात पर काबू पाने के लिए सेना को तैनात किया गया है। इस बीच भारत और नेपाल के 1751 किमी लंबे खुले बॉर्डर की हिफाजत कर रहा केंद्रीय अर्धसैनिक बल 'सशस्त्र सीमा बल' (एसएसबी) अलर्ट पर है। हालांकि नेपाल में हो रही हिंसा के मद्देनजर, बॉर्डर पर अतिरिक्त फोर्स नहीं लगाई जा रही है। सीमा पर जितने भी संवेदनशील प्वाइंट हैं, उन पर पैनी नजर रखी जा रही है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के आदेश के बाद भी बॉर्डर पर फोर्स की तैनाती बढ़ाने जैसा कोई निर्णय लिया जाएगा।

बता दें कि एसएसबी, कुल 73 बटालियनों, 89878 कर्मियों के साथ भारत संघ का एक प्रमुख सशस्त्र बल है। ये जवान, 1751 किलोमीटर लंबे

भारत और नेपाल बॉर्डर व 699 किलोमीटर लंबे भारत-भूटान सीमा की रखवाली करतो हैं। एसएसबी के आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, उनकी नेपाल के ताजा घटनाक्रम पर नजर है। सीमा पर जवानों को अलर्ट किया गया है। चेकिंग को बढ़ाया गया है। एसएसबी का प्रयास है कि नेपाल की हिंसा की आड़ में वहां से कोई आपराधिक तत्व, भारतीय सीमा में प्रवेश न कर सके। सीमावर्ती इलाकों में कानून व्यवस्था बनी रहे। सूत्रों का कहना है कि मौजूदा परिस्थितियों में नेपाल से लगते बॉर्डर पर एसएसबी को सतर्क किया गया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के अलावा आंतरिक एवं बाहरी खुफिया एजेंसियां, इस मामले पर नजर रख रही हैं। एसएसबी के लिए बॉर्डर की सुरक्षा करने की जो एसओपी बनाई गई है, उसी का पालन किया जा रहा है। मसलन, नेपाल में जब चुनाव होते हैं या वर्तमान हिंसा जैसा कुछ होता है तो उस दौरान सीमा की सुरक्षा के लिए, जिस एसओपी का इस्तेमाल होता है, वही अब हो रहा है। एसएसबी पूरी तरह से सतर्क है।

पाकिस्तान में शुरू हो रहा बड़ा खेल! नूर खान एयरबेस पर अचानक उतरा अमेरिका का सैन्य विमान, भारत चौकन्ना

इस्लामाबाद **(एजेंसी)**। अमेरिका से आया विमान पाकिस्तान के नूर खान एयरबेस पर उतरा है। वही नूर खान एयरबेस जिसके परखच्चे भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान उड़ा दिए थे। पाकिस्तान के इस सबसे महत्वपूर्ण एयरबेस को भारत ने इतना नुकसान पहुंचाया था कि बीते तीन महीनों से यहां कोई विमान लैंड नहीं कर पाया था। लेकिन अब यहां अचानक अमेरिका का सी-17 ग्लोबमास्टर मिल्ट्री ट्रांसपोर्ट विमान नूर खान में उतरा है। ये विमान अमेरिका से कुवैत के रास्ते पाकिस्तान के नूर खान एयरबेस में लैंड कर गया। आपको बता दें कि पाकिस्तान के नूर खान एयरबेस पर लैंड किया अमेरिका का सी-17 ग्लोबमास्टर बलूचिस्तान के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। इस विमान को देख भारत भी चौंकन्ना हो गया है।

नूर खान वही एयरबेस है जिसका इस्तेमाल अमेरिका ने 2001 में अफगानिस्तान पर हमला करने के लिए किया था। अब हो सकता है कि इसी एयरबेस से पाकिस्तान अमेरिका की मदद से बलूचिस्तान पर हमला कर दे। सवाल उठ रहे हैं कि महीनों से खराब पड़े नूर खान एयरबेस पर अचानक अमेरिका का सैन्य विमान क्यों उतर गया?दरअसल, पाकिस्तान स्थित

अमेरिकी दूतावास ने दुनिया को ये बताया है कि पाकिस्तान की सेना ने तबाही मचा रही बाढ़ से बचने के लिए राहत सामग्री मांगी है। इसलिए पाकिस्तान के लोगों के लिए हमने इस विमान में राहत सामग्री भेजी है। दूतावास ने अपने बयान में कहा कि अमेरिकी सैन्य विमानों ने विनाशकारी बाढ़ से निपटने के लिए पाकिस्तानी सेना के अनुरोध पर आवश्यक सामग्री पहुँचाई। नूर खान एयर बेस पर, सीडीए बेकर ने व्यापक, विनाशकारी बाढ़ से तबाह हुए पाकिस्तान के लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की।

अमेरिकी सेना की केंद्रीय कमान (यूएस एआरसीईएनटी) के तहत कुल छह विमानों के माध्यम से राहत सामग्री पाकिस्तान पहुँचाई जाएगी। इनमें टेंट, जल शोधन पंप, जनरेटर और अन्य आवश्यक उपकरण शामिल हैं। पाकिस्तानी सेना के जनसंपर्क निदेशालय (आईएसपीआर) के अनुसार, पहली खेप औपचारिक रूप से पाकिस्तानी सेना को सौंप दी गई है। गौरतलब है कि पाकिस्तान में भारी मानसूनी बारिश से पंजाब प्रांत बुरी तरह प्रभावित हुआ है। लाखों लोग बाढ़ से प्रभावित हैं, उनके घर जलमग्न हो गए हैं, फसलें नष्ट हो गई हैं और बड़ी संख्या में लोग अस्थायी शिविरों में रहने को मजबूर हैं। सिंध सरकार का अनुमान है कि पंजाब से सिंध में प्रवेश करने वाले बाढ़ के पानी से 16 लाख से ज़्यादा लोग प्रभावित हो सकते हैं। अगर सिंध में बाढ़ का स्तर बहुत ज़्यादा होता है, तो हालात और बिगड़ सकते हैं, जिससे पाकिस्तान पर आर्थिक दबाव बढ़ सकता है।

अब जाहिर सी बात है कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद अमेरिका का कोई विमान पाकिस्तान पहुंचता है। तो भारत समेत पूरी दुनिया पर उसकी नजर रहेगी। ऐसे में कुछ एक्सपर्ट्स का मानना है कि बाढ़ की आड़ में अमेरिका को खेल करने का मौका मिल गया है। अमेरिका ने तुरंत बाढ़ का नाम लेकर पाकिस्तान में अपना सैन्य विमान उतार दिया। अब जाहिर सी बात है कि पाकिस्तान और अमेरिका ये तो नहीं बताएंगे कि इस विमान में एम4 असॉल्ट राईफल, यूएवी ड्रोन्स और नाइट विजन डिवाइस भी हो सकते हैं। अमेरिका जिस तरह से पाकिस्तान का इस्तेमाल बड़े और सीक्रेट ऑपरेशन के लिए करता आया है। जिस तरह से अमेरिका आजकल पाकिस्तान को खुलकर अपनी गोद में बिठा रहा है। उसे देखकर ये समझा जा सकता है कि इस विमान में राहत सामग्री के अलावा और भी कुछ है।

यरूशलम में गोलीबारी में पांच की मौत, 15 घायल, दो हमलावर ढेर

तेल अवीव **(एजेंसी)**। इज़राइली पुलिस और पैरामेडिक सेवा के प्रमुख मैगन डेविड एडोम के अनुसार, सोमवार सुबह उत्तरी यरुशलम के एक व्यस्त चौराहे पर बंदूकधारियों द्वारा एक बस पर की गई गोलीबारी में कम से कम पाँच लोग मारे गए और 15 अन्य घायल हो गए। घायलों में से छह की हालत गंभीर बताई जा रही है। गोलीबारी येरूशलम के उत्तरी प्रवेश द्वार पर एक प्रमुख चौराहे पर हुई, जो पूर्वी येरूशलम में यहूदी बस्तियों की ओर जाने वाली सड़क के किनारे है। इज़राइली मीडिया ने बताया कि दोनों हमलावर यात्रियों पर गोलीबारी करने से पहले एक बस में सवार हुए। पुलिस ने बाद में कहा कि दोनों हमलावरों को मार गिराया गया, हालाँकि उनकी स्थिति अभी स्पष्ट नहीं हुई है। हमले के फुटेज में सुबह के व्यस्त समय में व्यस्त चौराहे पर एक बस स्टॉप से दर्जनों लोग भागते हुए दिखाई दे रहे हैं। घटनास्थल पर पहुँचे पैरामेडिक्स ने बताया कि इलाका अफरा-तफरी में था और टूटे हुए शीशे से ढका हुआ था, लोग घायल और बेहोश पड़े थे, बस स्टॉप के पास सड़क और फुटपाथ पर।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोल्दोमीर जेलेंस्की के बदले तेवर, भारत के खिलाफ उगला जहर

कीव **(एजेंसी)**। पहले कहां यूक्रेन के राष्ट्रपति वोल्दोमीर जेलेंस्की भारतीय पीएम से फोन पर बात कर रहे थे। लेकिन एससीओ समिट में रूस, चीन और भारत की तिकड़ी देखने के बाद वो खुलकर अब अमेरिका के समर्थन में उतर आए हैं। उन्होंने पहली बार भारत को लेकर एक ऐसा बयान दिया है जो दोनों देशों के कूटनीतिक संबंधों को बदलकर रख देगा। उन्होंने पहली बार भारत के खिलाफ खुलकर बोलते हुए अमेरिका का समर्थन किया है। जेलेंस्की ने अमेरिकी मीडिया से बात करते हुए कहा कि भारत पर लगाए गए अमेरिकी टैरिफ बिल्कुल सही हैं। एबीसी न्यूज़ को दिए एक साक्षात्कार में ज़ेलेंस्की ने कहा कि मुझे लगता है कि.रूस के साथ सौदे जारी रखने वाले देशों पर टैरिफ लगाना सही विचार है। ज़ेलेंस्की से शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चीन यात्रा पर उनके विचार पूछे गए थे। गौरतलब है कि पीएम मोदी की चीन और रूस के नेताओं के साथ ली गई थीं। उनका यह बयान ऐसे समय में आया है जब ट्रंप प्रशासन रूस के खिलाफ प्रतिबंधों का विस्तार करने की तैयारी कर रहा है।

पिछले महीने अलास्का में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ ट्रंप की शिखर वार्ता कोई कूटनीतिक सफलता हासिल करने में विफल रही। ट्रंप ने कहा कि वह रूस के खिलाफ प्रतिबंधों का विस्तार करने के लिए तैयार हैं। राष्ट्रीय आर्थिक परिषद के निदेशक केविन हैसेट ने भी मास्को पर नए प्रतिबंधों के संकेत दिए, और भारत का उदाहरण दिया। यूक्रेन पर रूस के हालिया सैन्य हमले के बाद हैसेट ने कहा कि राष्ट्रीय आर्थिक परिषद में, हमारी ज़िम्मेदारी है कि हम प्रतिबंधों को लागू करें और जो लोग यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में रूस की मदद कर रहे हैं। उदाहरण के लिए, भारत रूसी तेल खरीदकर जो कर रहा है... हम उन्हें आर्थिक रूप से जवाब देने के लिए तैयार हैं। उन्होंने आगे कहा कि मुझे यकीन है कि आज और कल प्रतिबंधों के स्तर और समय के बारे में काफ़ी चर्चा होगी। हाल के हफ़्तों में भारत ने यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने की अपनी वकालत तेज़ कर दी है। मोदी ने पिछले महीने इस मुद्दे पर ज़ेलेंस्की से दो बार बात की। मोदी ने कहा कि उन्हें ज़ेलेंस्की से बात करके और हालिया घटनाक्रमों पर उनके विचार जानकर खुशी हुई।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित। कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)